हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 52, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 20 अगस्त, 2023 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

सभी विकास कार्य तय समय पर गुणवत्ता के साथ पूरा करें

मुख्यमंत्री योगी का अयोध्या दौरा, अफसरों को दिया निर्देश

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अयोध्या दौरे पर थे। करीब 11.00 बजे उनका हेलीकॉप्टर रामकथा पार्क में हेलीपैड पर उतरा। मुख्यमंत्री योगी यहां से सीधे हेलीपैड के समीप साकेत वासी महंत रामचंद्र परमहंस दास जी की समाधि स्थल पर पहुंचे और पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उनके साथ महंत सुरेश दास, महंत मैथिलीशरण दास, महंत राजू दास और महंत संतोष दास आदि संतजन उपस्थित रहे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने निमार्णाधीन श्रीराम मंदिर का अवलोकन कर पूजन अर्चन किया।

इस दौरान उन्होंने राममंदिर निर्माण के कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने दिगम्बर अखाड़ा में पहुंचकर वहां के मंदिर में पूजा की व दिगम्बर अखाड़े के महंत सुरेश दास, नये महंत रामलखन दास जी के महंती समारोह में भी भाग लिया। यहां उन्होंने संतो से मुलाकात की और अयोध्या के विकास संबंधी बिन्दुओं की चर्चा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दौरे के अगले चरण में सरयू होटल में मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी, नगर आयुक्त आदि वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अयोध्या में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली , जिसमें संक्षिप्त विवरण मण्डलायुक्त ने प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी निर्माण कार्य चल रहे है निश्चित समय सीमा के अन्दर गुणवत्ता के साथ पूरा किए जाएं व आगामी दीपोत्सव को देखते हुये तैयारियां की जाएं। अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिले। इस दौरान सांसद लल्लू सिंह, नगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय सहित अनेक भारतीय जनता पार्टी के नेता गण, विधान परिषद सदस्य गण तथा गणमान्य व्यक्ति, एडीजी लखनऊ जोन पीयूष मोर्डिया, मण्डलायुक्त गौरव दयाल, पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी नितीश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नय्यर, नगर आयुक्त विशाल सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर सलिल कुमार पटेल, पुलिस अधीक्षक नगर मधुबन कुमार सिंह, उपनिदेशक सूचना डॉ मुरलीधर सिंह, क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार तिवारी, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अतुल सोनकर, महंत धर्मदास, महंत अवधेश दास, मैथिलीशरण दास, भरत दास, वैदेही बल्लभ, रामदास, कमल नयन दास, कार्यक्रम के मुख्य आयोजक महंत सुरेश दास, महंत जयराम दास, महंत बलराम दास, आशुतोष दास सहित आदि संत महंत मौजूद रहे।

कोटा सुसाइड मामलों पर एक्शन में गहलोत सरकार

जयपुर। देश में कोचिंग हब के रूप में प्रसिद्ध राजस्थान के कोटा में छात्र-छात्राओं की आत्महत्या के बढ़ते मामलों से चिंतित राज्य सरकार ने अब कोचिंग संस्थानों और निजी हॉस्टल संचालकों पर सख्ती करने का निर्णय लिया है। कोचिंग संस्थानों को रविवार का टेस्ट बंद करने और छात्र-छात्राओं पर पढ़ाई का अधिक बोझ नहीं डालने के लिए कहा गया है। अब कोचिंग संस्थानों और हॉस्टल संचालकों को अपने यहां प्रत्येक 15 दिन में छात्र-छात्राओं का मनोचिकित्सक से परीक्षण करवाना होगा। साथ ही कोचिंग संचालकों निर्देश दिए गए हैं पैसे कमाने के लालच में वे छात्र-छात्राओं को स्कूलों में डमी प्रवेश नहीं दिलवाएं। कोटा के सभी हॉस्टल में पंखों पर एंटी हैंगिंग डिवाइस लगाए जाएंगे । एंटी हैंगिंग डिवाइस नहीं लगाने वाले हॉस्टल को सीज किया जाएगा।हॉस्टल संचालकों के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट भी दर्ज होगी। कोटा के करीब चार हजार हॉस्टल और 35 हजार से अधिक पीजी हैं। अब इनकी निगरानी के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर के नेतृत्व में समिति गठित की गई है। बढ़ते आत्महत्या मामलों में राज्य सरकार को रिपोर्ट देने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में समिति गठित की है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था मंत्रियों की बैठक में पीएम मोदी बोले, जन धन और आधार ने वित्तीय लेनदेन में क्रांति लाई

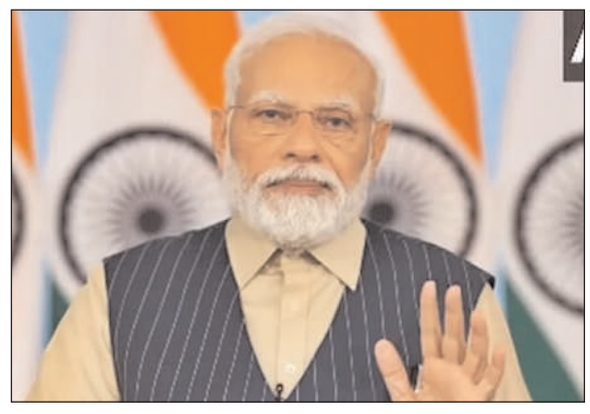

बंगलूरू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगलूरू में चल रहे जी-20 डिजिटल अर्थव्यवस्था मंत्रियों की बैठक को वर्चुअली संबोधित किया। पीएम मोदी ने शनिवार को अपने संबोधन के दौरान कहा कि आज भारत में 85 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं जो दुनिया में सबसे सस्ती डाटा लागत का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एक सुरक्षित और समावेशी समाधान पेश करता है। पीएम मोदी ने कहा, हमने शासन को और अधिक कुशल, समावेशी, तेज और पारदर्शी बनाने के लिए तकनीक का लाभ उठाया है। उन्होंने कहा कि जन धन खाते, आधार और मोबाइल फोन ने वित्तीय लेनदेन में क्रांति ला दी है। उन्होंने कहा, भारत एक विविधतापूर्ण देश है। हमारी दर्जनों भाषाएं और सैकड़ों बोलियां हैं। यहां दुनिया के सभी धर्मों के लोग रहते हैं और असंख्य सांस्कृतिक प्रथाओं का पालन होता है। भारत में प्राचीन परंपराओं से लेकर आधुनिक तकनीक तक, हर किसी के लिए कुछ न कुछ है। पीएम मोदी ने आगे कहा, इंटरनेट के लिए 45 फीसदी से अधिक वैश्विक रियल टाइम भुगतान भारत में होते हैं। कोविड पोर्टल ने भारत के टीकाकरण अभियान का समर्थन किया और इसने 200 करोड़ लोगों तक वैक्सीन पहुंचाने में मदद की। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के तहत सरकार की योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचान में मदद मिली और इसकी मदद से सरकार ने 33 अरब डॉलर से ज्यादा की बचत की। हम 'भाषिनी' नाम का एक एआई-संचालित भाषा अनुवाद प्लेटफार्म बना रहे हैं। यह भारत में सभी विविध भाषाओं में डिजिटल समावेशन का समर्थन करेगा। पीएम मोदी ने कहा, डिजिटल कौशल की क्रॉस कंट्री तुलना की सुविधा के लिए रोडमैप विकसित करने के आपके प्रयासों का स्वागत है। उन्होंने कहा, भारत समाधानों के लिए एक आदर्श परीक्षण प्रयोगशाला है। साथ ही उन्होंने कहा कि जो उपाय देश में सफल साबित होते हैं उन्हें कहीं भी आसानी से लागू किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने बैठक में मौजूद प्रतिनिधियों से कहा कि भारत दुनिया के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोई पीछे नहीं छूटे यह सुनिश्चित करने के लिए देश ने ऑनलाइन एकीकृत डिजिटल बुनियादी ढांचा इंडिया स्टैक्स बनाया है। उन्होंने डिजिटल अर्थव्यवस्था के बढ़ने के साथ ही इसके समक्ष पेश आने वाली सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के प्रति जी-20 प्रतिनिधियों को आगाह करते हुए सुरक्षित, विश्वसनीय और लचीली डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए जी-20 उच्च स्तरीय सिद्धांतों पर सर्वसम्मति बनाने की जरूरत पर जोर दिया।

सीमा हैदर की तरह प्रेमी से मिलने दरभंगा पहुंची नेपाली महिला वापस जाने से किया इनकार; घर के बाहर धरने पर बैठी

दरभंगा। प्रेम है तो केवल ढाई अक्षरों का बहुत छोटा सा शब्द, पर अर्थ काफी गहरा है। तभी तो प्रेम में पागल लोग सरहद पार कर विदेश से चले आते हैं। चार बच्चों की 30 वर्षीय मां सीमा गुलाम हैदर अपने प्रेम को पाने के लिए पाकिस्तान से भारत चली आई थी। दूसरी तरफ राजस्थान की 34 वर्षीय विवाहिता अंजू पाकिस्तान चली गई थी। दोनों खबरों की चचाएं खत्म नहीं हुईं है कि प्यार की तलाश में नेपाल की एक विवाहिता दरभंगा पहुंच गई। हालांकि, प्रेमी ने उसे अपनाने से इनकार कर दिया है।

इसे लेकर लहेरियासराय थानाक्षेत्र के बाकरगंज स्थित गायत्री मंदिर मोहल्ला में शुक्रवार की देर रात से हाई वोल्टेज ड्रामा जारी है। नेपाल निवासी संगीता देवी अपने दोनों बच्चों को पहले पति के पास छोड़ आई। इसके बाद अपने प्रेमी की खोज में घर से निकलकर दरभंगा आ पहुंची। काफी मशक्कत बाद जब प्रेमी का घर मिला तो उसकी खुशियों का ठिकाना नहीं रहा। हालांकि, जब इसकी जानकारी संगीता के प्रेमी गोविंद कुमार की पत्नी को मिली तो वह गुस्से से लाल हो गई। उसने संगीता को घर में प्रवेश करने से रोक दिया गया। कुछ ही पल में हो-हंगामा शुरू हो गया।

मोहल्ले के लोग जुट गए। इस बीच प्रेमी गोविंद मौका देख अपने घर से फरार हो गया। संगीता चीख-चीखकर लोगों को बताने लगी कि वह गोविंद से प्रेम करती है। गोविंद उसका पति है। दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खाई हैं। उसने मंदिर में शादी करने की बात भी कही। उधर, गोविंद की पत्नी प्रेरणा ने उसके दावों को खारिज कर दिया है। उसने कहा कि उसकी शादी को आठ वर्ष हो गए हैं। प्रेम विवाह करने के बाद उसने दो बच्चों को जन्म दिया है। ऐसे में, उसका पति किसी दूसरे से कैसे प्रेम कर सकते है। उसने कहा कि हमारे पति किसी संगीता को नहीं जानते हैं।

महाराष्ट्र के सीएम और डिप्टी सीएम रतन टाटा के आवास पर पहुंचे, उद्योग रत्न अवार्ड से किया सम्मानित

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस ने उद्योगपति रतन टाटा के आवास पर पहुंचकर उन्हें उद्योग रत्न अवार्ड से सम्मानित किया। बता दें कि रतन टाटा अपने खराब स्वास्थ्य के कारण पुरस्कार समारोह में भाग नहीं लेंगे। दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा को उनके आवास पर उद्योग रत्न पुरस्कार से सम्मानित करने पहुंचे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि देश के लिए रतन टाटा और टाटा समूह का बहुत बड़ा योगदान है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से दिए गए इस पुरस्कार को स्वीकार करने के लिए मैं उन्हें (रतन टाटा) धन्यवाद देता हूं। महाराष्ट्र सरकार ने बीते 28 जुलाई को दिग्गज उद्योगपति और टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा को पहला 'उद्योग रत्न' अवार्ड देने की घोषणा की थी। राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने यह जानकारी दी थी। सामंत ने गुरुवार को राज्य विधान परिषद में बताया कि युवा उद्यमी, महिला उद्यमी और मराठी उद्यमी के लिए भी अवार्ड दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार की तरह, जो विशिष्ट व्यक्तियों को दिया जाता है, राज्य सरकार ने रतन टाटा को उद्योग रत्न पुरस्कार से सम्मानित करने का निर्णय लिया है।" उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार और उद्योग मंत्री की एक समिति ने बैठक की थी, जिसमें यह फैसला लिया गया।

ताइवान के चारों ओर 42 चीनी युद्धक विमान और नौसेना के आठ जहाज; बौखलाए चीन का युद्धाभ्यास

ताइपे। पराग्वे यात्रा के दौरान ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई के अमेरिका में रुकने और संबोधन से चीन बौखला गया है। उसने शनिवार को ताइवान के चारों ओर नौसेना और वायुसेना का संयुक्त अभ्यास शुरू किया है। उसका कहना है कि यह ताइवान के लिए गंभीर चेतावनी है। लाई को अगले साल होने वाले चुनाव में राष्ट्रपति पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि द्वीप के चारों ओर 42 चीनी युद्धक विमान और नौसेना के आठ जहाजों का पता चला है। इनमें केजे-500, वाई-9, जे-10, जे-11, जे-16 और एसयू-30 जैसे विमान शामिल हैं। बकौल रक्षा मंत्रालय, यह भी जानकारी मिली है कि 26 विमानों ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य सीमा रेखा पार की है। चीनी सेना की हरकतों पर नजर रखी जा रही है। साथ ही जवाबी कार्रवाई में विमान, नौसैनिक जहाज और मिसाइलों की तैनात की गई है। उनकी सेना देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता को बनाए रखने में सक्षम है। वहीं, पीपल लिबरेशन आर्मी के पूर्वी कमांड का कहना है कि नौसेना और वायु सेना संयुक्त अभ्यास कर रही है। इस दौरान सेना की वास्तविक युद्ध क्षमताओं का परीक्षण किया जा रहा है। कमांड की ओर से इसे लेकर एक वीडियो भी जारी किया गया है। यह शनिवार का बताया जा रहा है। इसमें जे-16 और जे-10 युद्धक विमान और नौसेना के जहाज गश्त करते नजर आ रहे हैं। तेजी से हमला करने वाले बोट की भी तैनाती की गई है। गौरतलब है कि इस युद्धाभ्यास से कुछ घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और दक्षिण कोरिया और जापान के नेता कैंप डेविड में रक्षा और आर्थिक सहयोग को और मजबूत बनाने को लेकर सहमत हुए हैं। उन्होंने ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता को अंतरराष्ट्रीय समुदाय की सुरक्षा और समृद्धि के लिए अपरिहार्य बताया है। ताइवान ने चीन के इस कदम की निंदा की। साथ ही इसे उकसावे की कार्रवाई करार दिया। ताइवान ने कहा कि चीन को भी चुनाव करवाना चाहिए। इससे वहां के लोग रोमांचित होंगे।

यूक्रेन के चेर्निहाइव पर रूसी मिसाइल अटैक में पांच लोगों की मौत, हमले में 11 बच्चों समेत 37 लोग घायल

कीव। उत्तरी यूक्रेन के शहर चेर्निहाइव में एक केंद्रीय चौराहे पर रूसी मिसाइल के हमले में पांच लोग मारे गए और 37 घायल हो गए। इस बात की जानकारी आंतरिक मंत्रालय ने शनिवार को दी। मंत्रालय ने कहा कि जब हमला हुआ, तब लोग धार्मिक अवकाश मनाने के लिए चर्च जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, घायलों में 11 बच्चे भी शामिल हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया टेलीग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा, "एक रूसी मिसाइल शहर के ठीक मध्य में, हमारे चेर्निहाइव में गिरी। यहां एक चौराहा, पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय और एक थिएटर है।" राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा, "शनिवार के एक सामान्य दिन को रूस ने दर्द और नुकसान के दिन में बदल दिया।" जेलेंस्की की पोस्ट के साथ एक छोटा-सा वीडियो शेयर किया जिसमें क्षेत्रीय नाटक थिएटर के सामने एक चौराहे पर मलबा बिखरा हुआ दिखाया गया है और वहां पर खड़ी कारों को भारी नुकसान हुआ है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की इन दिनों स्वीडन की कामकाजी यात्रा पर थे। वीडियो में एक शव को कार के अंदर झुका हुआ भी देखा जा सकता है। आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच की अनुमति देने के लिए सिटी सेंटर को आंशिक रूप से बंद कर दिया गया है।

राहुल गांधी ने आरएसएस पर लगाया केंद्रीय मंत्रालयों के फैसले लेने का आरोप, कहा- हर जगह अपने आदमी रख रहा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि दक्षिणपंथी संगठन देश के हर संस्थान में अपने लोगों को बिठा रहा है। लद्दाख में कथित तौर पर एक सार्वजनिक संवाद की एक वीडियो क्लिप में उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के मंत्री फैसले नहीं ले रहे हैं, बल्कि आरएसएस के एक सज्जन हैं, जो यह तय कर रहे हैं कि मंत्रालय में क्या होना चाहिए। आरएसएस को व्यापक रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वैचारिक शाखा माना जाता है, और विपक्ष अक्सर उनके बीच समानताएं बताता रहा है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि आरएसएस ही देश में सब कुछ चला रहा है। पूर्व कांग्रेस प्रमुख का सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें कहते हुए सुना जा सकता है, 'यहां तक कि अगर आप केंद्र सरकार के किसी भी मंत्री से पूछेंगे तो वे आपको बताएंगे कि वे हकीकत में अपने मंत्रालय को नहीं चला रहे हैं। आरएसएस द्वारा नियुक्त लोग ही वास्तव में इन मंत्रालयों को चला रहे हैं और सब कुछ सुझा रहे हैं।' समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इससे पहले केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया था कि आरएसएस-भाजपा की विचारधारा हर घर में राष्ट्रीय तिरंगा फहराने का अभियान इसलिए चला रही है, क्योंकि उन्होंने महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए भारत छोड़ो आंदोलन का समर्थन नहीं किया था। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के बयान का हवाला देते हुए कहा था कि भाजपा और इसके मातृ संगठन आरएसएस की विचारधारा से जुड़े लोगों ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में चलाए जा रहे भारत छोड़ो आंदोलन का विरोध किया था। इस तथ्य के बावजूद कि वे हर घर में राष्ट्रीय ध्वज फहरा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, भाजपा-आरएसएस अब नया भारत छोड़ो आंदोलन चला रहे हैं जहां उद्योगपतियों को बैंक में धोखाधड़ी करने के बाद देश छोड़ने की अनुमति है। अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों के गठन के बाद से राहुल गांधी का पहला लद्दाख दौरा है। उन्होंने लेह में आयोजित एक कार्यक्रम में युवाओं के साथ भी बातचीत की। राहुल गांधी ने कहा, भारत को 1947 में आजादी मिली और देश को मजबूत करना ही संविधान है। संविधान नियमों का एक समूह है..जिस तरह से आप संविधान को क्रियान्वित करते हैं, वह उन संस्थानों की स्थापना करके होता है, जो संविधान के दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। भाजपा और आरएसएस अपने लोगों को संस्थागत ढांचे के प्रमुख पदों पर बिठा रहे हैं।

उदयपुर-खजुराहो एक्सप्रेस के इंजन में लगी आग, यात्रियों में मचा हड़कंप

ग्वालियर। उदयपुर से खजुराहो जा रही उदयपुर-खजुराहो एक्सप्रेस में आग लगने की घटना सामने आई है। ग्वालियर के सिथौली स्टेशन के पास ट्रेन के इंजन में आग लगी है, जिसके बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया। आग लगने का पता चलते ही लोको पायलट ने ट्रेन को सिथौली के पास रोक दिया और कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही ग्वालियर से फायर अमले को तुरंत मौके पर भेजा गया। फायर अमले ने मौके पर पहुंचकर आग को बुझाने का काम शुरू कर दिया है। खबर लिखे जाने तक फायर अमला आग पर काबू करने का प्रयास कर रहा था। इंजन में आग लगने से ट्रेनों का आवगमन भी प्रभावित हो रहा है। आग लगने की वजह का अभी तक पता नहीं लगा है। जानकारी के अनुसार, उदयपुर खजुराहो एक्सप्रेस ग्वालियर स्टेशन पर अपने निर्धारित समय 12.14 मिनट पर न आकर देरी से 12.35 मिनट पर आई। इसके बाद ट्रेन 12.45 पर झांसी के लिए रवाना हुई। जब वह ग्वालियर स्टेशन से करीब 7 किमी दूर सिथोली स्टेशन के पास पहुंची ही थी कि उसके इंजन में आग लग गई। आग का पता लगते ही लोको पायलट ने ट्रेन को रोक दिया। इसके बाद कंट्रोल रूम को सूचना दी। ट्रेन के रुकते ही लोगों को जैसे ही पता चला कि इंजन में आग लग गई है, वैसे यही यात्रियों में भगदड़ सी मच गई। सभी यात्री ट्रेन से नीचे आ गए।

संपादकीय

अंतरिक्ष मिशन में भारत की ऐतिहासिक सफलता

अंतरिक्ष मिशन चंद्रयान-3 अपने लक्ष्य के बिल्कुल नजदीक पहुंच गया है। जल्द ही यह चंद्रमा पर लैंड करेगा। सारी दुनिया के देशों में इतिहास के पन्नों में भारत का नाम इस असाधारण सफलता के लिए दर्ज होगा। चंद्रयान 3 के प्रोपल्शन माड्यूल और लेंडर माड्यूल चंद्र की कक्षा में सफलतापूर्वक अलग-अलग हो गए हैं। यान से अलग होकर लैंडर अब चंद्रमा की सतह पर चक्कर लगा रहा है। चंद्रमा से मात्र 100 किलोमीटर की दूरी पर चक्कर लगा रहा है। 23 अगस्त को शाम को लैंडर विक्रम की चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की तैयारी सफलतापूर्वक हो गई है। इस लेंडर के चंद्रमा की सतह पर उतरने के बाद भारत अंतरिक्ष की दौड़ में शीर्ष पर पहुंच गया है। जल्द ही भारत चंद्रमा को लेकर ऐसे नए-नए खुलासे करेगा। जिससे प्रक्रति और मानव उत्थान के नए रहस्य उजागर होंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो की यह सबसे बड़ी सफलता है। जैसे ही यान से लेंडर अलग हुआ। उसके बाद इसरो सहित देश के सभी हिस्सों में खुशी की लहर दौड़ गई। 14 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से चंद्रयान 3 मिशन चांद की ओर रवाना हुआ था। 1 अगस्त को सिलन्गशाट के बाद पृथ्वी की कक्षा छोड़कर वह चंद्रमा की कक्षा में 5 अगस्त को प्रवेश कर गया था। 16 अगस्त को अंतरिक्ष की सभी कक्षाओं को पार करके चंद्रमा के कक्ष में पहुंच गया है। यान से सफलता पूर्वक लैंडर मॉड्यूल अलग हो गया। 23 अगस्त को लेंडर चंद्रमा में लैंड करेगा। 6 पहियों वाला यह रोवर प्रज्ञान अंतरिक्ष के कई ऐसे रहस्य को उजागर करने वाला होगा। जिनकी जानकारी अभी तक दुनिया को नहीं है। चंद्रमा की सतह पर जो जो वातावरण है,खनिज है, चंद्रमा के जीवन को लेकर तथा ब्रह्मांड में पर्यावरण और आने वाली कठिनाइयों का कारण जानने के लिए यह मुहिम सारी दुनिया को एक नया रास्ता दिखाएगी। अभी तक चंद्रमा में जो भी खोज हुई है। वह खोज भूमध्य रेखीय क्षेत्र में और चंद्र भूमध्य रेखा के उत्तर या दक्षिण के कुछ हिस्सों में हुई है। उस हिसाब से यह मिशन सारी दुनिया के लिए सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत के वैज्ञानिकों ने चंद्र यान मिशन में जिस तरह की सफलता प्राप्त की है। उसे दुनिया के बड़े-बड़े देश चौंक गए हैं। एक बार फिर इसरो का डंका सारी दुनिया में बज गया है। इसरो के वैज्ञानिकों को इस सफलता के लिए जितनी भी बधाई दी जाए, वह कम है। सेटेलाइट के क्षेत्र में भी इसरो ने सारी दुनिया मे अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। अंतरिक्ष के क्षेत्र में सारी दुनिया के देशों का नेतृत्व करने के लिए अब भारत तैयार हो गया है। भारत मे शोध को लेकर सरकारों द्वारा वह सुविधा नहीं दी जाती है। जो उन्हें मिलनी चाहिए। शोध कार्यो के लिए यदि सरकार हर किस्म के संसाधन उपलब्ध कराए, तो भारत सारी दुनिया का सिरमौर बन सकता है। भारत के जुगाडू दिमाग का सारी दुनिया लोहा मानती है। चंद्रयान की सफलता के बाद,सरकार को इस दिशा में विशेष रूप से,इसरो और अन्य संस्थान जो शोध के माध्यम से नई नई सफलताएं अर्जित कर रहे हैं। उन्हें प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

लगा रहे हैं जोर !

देने को चुनौती हम ।
लगा रहे हैं जोर ।।
हों इसमें हम सफल ।
है कोशिश पुरजोर ।।
अपने अपने ढ़ंग से ।
छोड़ रहे हैं तीर ।।
ना छोड़ेंगे आस ।
बदले कुछ तकदीर ।।
दिन बचे हैं कम ।
है कमर कस डाली ।।
इंतजार है पूरा ।
आ जाए हरियाली ।।
करना उनको है जतन ।
अपने जो विचार ।।
है मंथन भी चालू ।
कम हो अब तकरार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

लक्षद्वीप में सामने आ गया विपक्षी दलों की तुष्टिकरण वाला असली चेहरा

योगेन्द्र योगी

विपक्षी दल वोट बैंक को पाने के लिए कोई भी मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहते। बेशक इसके लिए उन्हें भेदभाव, धर्म-जाति और अन्य ऐसे ही मुद्दों का सहारा क्यों ना लेना पड़े। विपक्षी दलों की इसी छद्म नीति को भारतीय जनता पार्टी उजागर करती रही है। केंद्र शासित लक्षद्वीप में विपक्षी दलों का यही चेहरा सामने आया है। विपक्षी दल इस प्रदेश में शराबबंदी हटाने के प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। विपक्षी दलों का यह विरोध अल्पसंख्यक वोट बैंक को रिझाने के लिए है। जबकि लक्षद्वीप प्रशासन पर्यटकों की सुविधा और मांग के मद्देनजर इस प्रदेश में शराबबंदी हटाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। लक्षद्वीप प्रशासन ने एक मसौदा उत्पाद शुल्क विनियमन विधेयक प्रकाशित किया है और द्वीपसमूह में शराब की बिक्री और खपत की अनुमति देने पर स्थानीय निवासियों से सुझाव मांगे हैं। कांग्रेस, एनसीपी और अन्य विपक्षी दल इस प्रस्ताव के विरोध पर आमदा हैं। विपक्षी दलों की दलील है कि लक्षद्वीप की 97 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है जो मानते हैं कि शराब का सेवन उनकी संस्कृति और धार्मिक परंपरा के खिलाफ है। सन 1979 में द्वीपों में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की मांग को पूरा करने के लिए, एक निर्जन द्वीप बंगाराम के रिसॉर्ट्स में शराब परोसी जाती है। प्रशासन ने द्वीप पर बनने वाले नए पांच सितारा होटलों में शराब की अनुमति देने का प्रावधान किया है। ड्राफ्ट बिल में एक्साइज कमिश्नर की पोस्टिंग का प्रस्ताव है। मसौदा विधेयक में शराब की बिक्री और खपत की निगरानी और विनियमन के लिए उत्पाद शुल्क आयुक्त और सहायक कर्मचारियों की नियुक्ति का प्रस्ताव है। शराब के निर्माण, बिक्री और उपभोग से संबंधित तकनीकी या कानूनी मुद्दों पर प्रशासक को सलाह देने के लिए विशेषज्ञों का एक बोर्ड गठित किया जाएगा। विनियमन के प्रावधानों के अधीन, उत्पाद शुल्क आयुक्त किसी भी स्थानीय क्षेत्र के भीतर थोक या खुदरा द्वारा निर्माण और

बिक्री के लिए लाइसेंस या पट्टा दे सकता है। प्रशासन को शराब की दुकानों को बंद करने का आदेश देने का अधिकार है, लेकिन लाइसेंस वर्ष में बंद दिनों की संख्या कुल मिलाकर सात दिनों से अधिक या लगातार तीन दिनों से अधिक नहीं होगी।

गौरतलब है कि विपक्षी एकता इंडिया के प्रमुख घटक समाजवादी पार्टी और उसके समर्थित मुस्लिम संगठनों ने मथुरा में शराब और मांस की बिक्री प्रतिबंधित करने के योगी सरकार के निर्णय का विरोध किया था। योगी सरकार के इस फैसले के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक मुस्लिम सामाजिक कार्यकर्ता ने शाहिदा याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने मथुरा-वृंदावन के 22 वार्डों में प्रदेश सरकार द्वारा शराब व मांस की बिक्री पर रोक लगाने के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने याचिका खारिज कर कहा था कि, भारत विविधताओं का देश है। अगर देश में एकता बनाए रखना है तो सभी समुदायों और धर्मों का समादर बहुत जरूरी है। हमारे देश में विविधताओं के बावजूद एकता यहां की खूबसूरती है। वर्ष 2016 में बिहार में शराब पर प्रतिबंध लगाने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उत्तर प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी की वकालत की थी, जिस पर सत्तारुढ़ समाजवादी पार्टी ने तुरंत आलोचना की। समाजवादी पार्टी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर राज्य के खिलाफ नकारात्मक टिप्पणियां" करने और इस तरह "सांप्रदायिक ताकतों को मजबूत करने" का आरोप लगाया था। समाजवादी पार्टी की दलील थी कि सरकार के खिलाफ उनकी टिप्पणियों से सांप्रदायिक ताकतों को बढ़ावा मिलेगा, जिनके खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकार लड़ रही है। यह अलग बात है कि ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर एक-दूसरे को गरियाने के बावजूद दोनों ही दल अब जोर-शोर से विपक्षी एकता की कवायद में जुटे हुए हैं।

छद्म धर्मनिरपेक्षता का आलम यह है कि इसमें राजनीतिक दल ही नहीं अभिनेता भी पीछे नहीं हैं। लक्षद्वीप के कट्टरपंथी मुसलमानों ने 'अनारकली' की शूटिंग नहीं होने दी, पर अभिनेता पृथ्वीराज के लिए वहाँ सब चंगा था। लक्षद्वीप के 'बहुसंख्यकों' के बचाव में शराब की दुकानें खोले जाने के विरोध में मलयाली अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन भी सामने आए थे, जिन्हें खुद इसी द्वीप के कट्टरपंथियों द्वारा अपनी ही फिल्म 'अनारकली' के शूटिंग के पीछे काफी विरोध का सामना करना पड़ा था। निश्चित तौर पर मद्यपान के नुकसान सर्वविदित हैं। लेकिन सिर्फ एकतरफा धर्म और संस्कृति के आधार पर वोट की खातिर इस मुद्दे का समर्थन या विरोध करना विपक्षी दलों की असलियत को उजागर करता है। यही वजह है कि ऐसे दोहरे मापदंडों की वजह से भाजपा विपक्षी दलों पर हमलावर रही है। विपक्षी दल सामाजिक, धार्मिक सहित भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर कभी भी एकराय कायम नहीं कर सके। हर दल अपनी सुविधा और वोट बैंक की राजनीतिक के हिसाब से अपनी नीतियां बदलता रहा है। यही वजह है कि विपक्षी दल भाजपा के निशाने पर रहे हैं। विपक्षी दल जब जनहित और देशहित के व्यापक मुद्दों नीतिगत निर्णय नहीं लेंगे तब तक आम लोगों में उनके प्रति विश्वास कायम होना मुश्किल है। इसी से भाजपा को भी मौका मिलता है। उम्मीद यही की जाती है कि मुंबई में होने वाली विपक्षी दलों की तीसरी बैठक में जनहित से जुड़े मुद्दों पर कोई ठोस निर्णय लिया जाएगा। सुविधा के हिसाब से नीतियां बदलना विपक्षी दलों को छोड़ना होगा। हालांकि विपक्षी दलों की दो बैठकों के परिणाम सिर्फ मेल-मिलाप तक ही सीमित रहे हैं। इन बैठकों में सिर्फ विपक्षी एकता का नया नाम इंडिया ही तय किया जा सका। देखना यही है कि मुंबई की बैठक में विपक्षी दल देश के सामने किस नए रंगरूप में पेश होते हैं, भाजपा को भी इसी बात का इंतजार है कि ताकि आरोपों के नए हथियारों को धार दी जा सके।

वाराणसी में मोदी से हार चुके अजय राय यूपी में कैसे देंगे कांग्रेस के सपनों को उड़ान

स्वदेश कुमार

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की बागडोर एक बार फिर बदल दी गई। अबकी से पूर्वांचल के दबंग नेता और वाराणसी में बीजेपी के खिलाफ मुरली मनोहर जोशी से लेकर मोदी तक के खिलाफ लोकसभा चुनाव में ताल ठोंक चुके अजय राय कभी भारतीय जनता पार्टी के नेता हुआ करते थे। अजय राय ने अपनी राजनीति की शुरूआत भारतीय जनता पार्टी की छात्र इकाई से की थी और पार्टी ने उन्हें विधायक तक की कुर्सी पर पहुंचाया था। 2012 में दिग्विजय सिंह यूपी के प्रभारी और कांग्रेस महासचिव थे। उन्होंने अजय राय की कांग्रेस में एंट्री कराने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अजय 2012 के विधानसभा उपचुनाव में वाराणसी की पिंडरा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े और पांचवीं बार विधायक बने। अजय राय एक दबंग नेता हैं। माफिया मुख्तार अंसारी को सजा दिलाने में अजय राय का बड़ा हाथ रहा है। अवधेश राय हत्याकांड में अजय पैरोकार थे। इसी हत्याकांड में मुख्तार को पहली बार सजा हुई है। मुख्तार

उम्रकैद की सजा काट रहा है। बता दें कि, पंजाब में जब कांग्रेस की सरकार थी तब मुख्तार अंसारी को जेल में वीवीआईपी ट्रीटमेंट की खबर ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं। तब भी अजय राय ने इस पर सवाल खड़े किए थे। अजय राय, प्रियंका गांधी वाड्रा के काफी करीबी नेता हैं। अब अजय राय के सहारे कांग्रेस यूपी में अपनी खोई जमीन पाने में जुटेगी। कांग्रेस ने बृजलाल खाबरी को हटा कर अजय राय को नया यूपी अध्यक्ष बनाया है। पिछले काफी दिनों से इस बात की चचाएं थीं कि कांग्रेस बृजलाल खाबरी को हटा सकती है। कांग्रेस ने पिछले साल अक्टूबर में बृजलाल खाबरी को यूपी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। अजय राय को उत्तर प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाने के साथ यह भी तय किया है कि यूपी में अब प्रियंका वाड्रा की ही चलेगी। वही यहां के सभी राजनैतिक निर्णय लेंगी। ऐसा इसलिए भी कहा जा सकता है क्योंकि अजय राय 2017 और 2022 में विधानसभा चुनाव जीतने में नाकाम रहे, लेकिन, वह सालों से कांग्रेस में महत्वपूर्ण संगठनात्मक जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। कांग्रेस नेतृत्व के उन पर भरोसे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हाल ही में महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा राज्य इकाई के फेरबदल में, उन्हें प्रयागराज क्षेत्र के लिए पार्टी का अध्यक्ष बनाया गया था। इसमें पूर्वी यूपी के करीब 12 जिलों की जिम्मेदारी उन्हे सौंपी गई थी। प्रियंका गांधी इस समय उत्तर प्रदेश में पार्टी मामलों की महासचिव हैं और यूपी की सियासत तय करने में कांग्रेस में उनकी राय सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। माना जा रहा है कि अजय राय को इस महत्त्वपूर्ण भूमिका में लाने के लिए सबसे ज्यादा प्रियंका गांधी ने ही जोर लगाया था।

अजय राय ने बनारस संसदीय क्षेत्र से दो बार चुनाव लड़ा। 2009 में समाजवादी पार्टी के सिंबल पर लोकसभा का चुनाव लड़ा था, लेकिन मुरली मनोहर जोशी से चुनाव हार गए। फिर अजय राय ने कांग्रेस का दामन थामा और 2014 के लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ा।

बहरहाल, वाराणसी क्षेत्र के ताकतवर नेता राय ने कई बार अपनी पार्टी संबद्धता बदली है। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत भारतीय जनता पार्टी की छात्र शाखा के सदस्य के रूप में की। उन्होंने 1996 से 2007 के बीच बीजेपी के टिकट पर लगातार तीन बार कोलासला निर्वाचन क्षेत्र से विधान सभा चुनाव जीता। लोकसभा टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने पार्टी छोड़ दी। इसके बाद वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए और 2009 के लोकसभा चुनाव में असफल रहे। इसके बाद, उन्होंने 2009 में कोलासला निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय के रूप में विधान सभा उपचुनाव जीता। 2012 में अजय कांग्रेस में शामिल हो गये थे। परिसीमन के बाद कोलासला निर्वाचन क्षेत्र का अस्तित्व समाप्त होने के बाद, उन्होंने 2012 के विधानसभा चुनाव में नव निर्मित पिंडरा निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की, जिसमें पूर्व कोलअसला निर्वाचन क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा शामिल है।

आस्था, प्रेम व सौंदर्य का त्यौहार है तीज

रमेश सर्राफ धमोरा

श्रावण के महिने में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है। सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यतः महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं।

वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कावड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है। श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं।

श्रावण का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण

से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं।

तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है।

हाथों में रची मेंहदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं। राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है। उन्हें अपने होने वाले सास ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेंहदी, लाख की चूडियां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष द्धारा अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंजारा भेजा जाता है। जिसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है।

अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये स्त्रियां यह व्रत किया करती हैं। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर शोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है। स्त्रियों द्धारा सुंदर वस्त्र धारण किये जाते है तथा घर को सजाया जाता है। इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है। इस व्रत को करने वालि स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। तीज का आगमन वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फोहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है। तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेंहदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण श्रृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेंहदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेंहदी रचाती हैं। जिसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है।

राजस्थान के गांवों में पहले लड़किया गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलती थी। तीज के दिन से गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलना बन्द कर देती थी। इसलिये गांव की लड़किया एक साथ एकत्रित होकर अपनी पुरानी गुड्डे-गुड्डी को गांव के पास के नदी,तालाब, जोहड़ में बहा देती थी। जिसे गुड्डी बहावना कहा जाता था। आज के दौर में ये सब बीती बाते बन कर रह गयी है। राजस्थान में मान्यता है कि गणगौर के साथ ही पर्व-त्यौंहार मनाना बन्द हो जाते हैं। वो तीज के दिन से पुनः मनाये जाने लगते हैं। तीज से शुरू होने के बाद त्योंहारों का सिलसिला गणगौर तक चलता है। इसीलिये राजस्थान में एक कहावत प्रचलित है तीज त्योंहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर।

केंद्रीय मंत्री के आगमन को लेकर हुई तैयारी बैठक

आजमगढ़ के सांसद दिनेश लाल निरहुआ भी रहेंगे मौजूद

बलिया। प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री व नगर विधायक दयाशंकर सिंह के नारायणी टाकीज स्थित कैंप कार्यालय पर हुई बैठक में बलिया बलिदान दिवस पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के हो रहे आगमन को लेकर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे भाजपा के जिला उपाध्यक्ष संजय मिश्रा ने कहा कि बलिया बलिदान दिवस के गौरवशाली कार्यक्रम में आ रहे केंद्रीय खेल व युवा कल्याण मंत्री अनुराग ठाकुर के आगमन को सफल बनाने के लिए सभी को पूरे मनोयोग से लगना होगा। कार्यक्रम में आजमगढ़ के सांसद दिनेश लाल निरहुआ भी मौजूद रहेंगे। केंद्रीय मंत्री जिला जेल परिसर में

आयोजित कार्यक्रम के साथ ही अन्य आयोजनों में भी रहेंगे। इसमें कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक लोगों को लाना होगा। बलिया बलिदान दिवस का आयोजन जनपद के लिए काफी गौरवशाली है। नगरपालिका परिषद के चेयरमैन संत कुमार गुप्ता मिठाई लाल ने कहा कि आयोजन को भव्य व ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी को लगना होगा। संचालन कर रहे जिला मंत्री अरुण सिंह बंटू ने कहा कि बलिया बलिदान दिवस जनपद के स्वर्णिम इतिहास से जुड़ा है और इसे सफल बनाना हम सब की जिम्मेदारी है। इस दौरान पदाधिकारियों ने कार्यकताओं को आवश्यक जिम्मेदारी से अवगत कराया। बैठक में संजीव कुमार डंपू, सुनीता श्रीवास्तव, कृष्णा पांडेय, संतोष सिंह, नकुल चौबे, राजीव मोहन चौधरी, अभिषेक सोनी, घनश्याम दास जौहरी आदि मौजूद रहे।

शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के लिए 25 अगस्त तक करे, ऑनलाइन आवेदन

बलिया। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ए0के0 गौतम ने बताया है कि दिव्यांग शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अन्तर्गत दम्पति में से युवक के दिव्यांग होने पर सामान्य युवती द्वारा विवाह करने पर रू0 15 हजार तथा दम्पति में से युवती के दिव्यांग होने पर सामान्य युवक द्वारा विवाह करने पर रू0 20 हजार एवं दम्पति में दोनों के दिव्यांग होने की दशा में रू0 35 हजार की धनराशि प्रदान की जाती है। पुरस्कार पिछले वित्तीय वर्ष तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष में हुए विवाह पर ही देय है। दम्पति आयकरदाता की श्रेणी में न हो, युवक की आयु 21 से 45 वर्ष एवं युवती की आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य हो, 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगताधारी हो तथा विवाह प्रमाण-पत्र (कार्ड) आवश्यक है। विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त करने हेतु विभागीय वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन 25 अगस्त तक किया जाना आवश्यक है।

चेयरमैन सोनू किन्नर ने साफ-सफाई को लेकर जीटी रोड व वार्डों का किया निरीक्षण

पीडीडीयु नगर। चंदौली। पीडीडीयू नगर स्थित नगर पालिका कार्यालय चेयरमैन सोनू किन्नर द्वारा जीटी रोड का निरीक्षण कर साफ सफाई व्यवस्था सहित अन्य स्थानों का जायजा लिया। चेयरमैन ने स्वच्छता के प्रति विशेष ध्यान दिया जा रहा है ।

नगर में सघन विशेष सफाई अभियान चलाकर नगर को कचरा मुक्त किया जा रहा है। नगर पालिका को कचरा मुक्त शहर बनाए जाने के लिए नगर पालिका परिषद संकल्पित देखा जा रहा है। जिसके लिए वार्डों में जाकर स्वयं निरिक्षण कर लोगों से जानकारी ली रही हैं। नगर पालिका अध्यक्ष सोनू किन्नर के प्रयासों से नगर पालिका परिषद की ओर से

साफ सफाई स्वच्छता नगर में हो इसको लेकर समय समय पर अभियान चलाकर नगर को कचरा मुक्त करने का प्रयास किया रहा है। नगर के वार्डो गलियों, सड़कों पर कचरे को उठाकर नालियों की सफाई वा नालियों में कीटनाशक का छिड़काव प्रत्येक घरों के सामने का कचरा मिट्टी रेता गिट्टी मटेरियल को उठाया जा रहा है। नालियों में फिनाइल, झाड़ पेड़ों की कटाई सफाई, नालों की सफाई की जा रही है। नगर कचरा मुक्त हो इसको लेकर पूर्ण सफाई कराई जा रही है।

दुष्कर्म का वांछित आरोपी हुआ गिरफ्तार

चहनियां। चंदौली। बलुआ थाना क्षेत्र के मजीदहा निवासी नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोपी धनेश पुत्र रामजतन को सैदपुर पुल से चौकी प्रभारी मारूफपुर अभिषेक शुक्ला ने गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया। बलुआ थाना क्षेत्र के मजीदहा गाँव निवासी 30 वर्षीय धनेश यादव पुत्र रामजतन पर बीते 9 अगस्त की देर रात को एक नाबालिग लड़की से जबरदस्ती दुष्कर्म करने के आरोप के बाद बलुआ थाने में मुकदमा पंजीकृत हुआ था। जिसके बाद से ही आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए प्रयासरत पुलिस बीते गुरुवार को शाम साढ़े चार बजे सैदपुर पूल से गिरफ्तार कर लिया। अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए शुक्रवार को न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया।

नवनिर्मित सामुदायिक शौचालय अब तक नहीं हुआ ग्रामीणों को भेंट

लक्ष्मणपुर (बलिया)। विकासखंड सोहाव अंतर्गत ग्राम सभा इच्छा चौबे के पूरा मे स्वच्छता को मुंह चिढ़ाता सामुदायिक सौचालय। भारत सरकार पूरे देश भर में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत पूरे देश भर में सामुदायिक शौचालय एवं व्यक्तिगत शौचालय निर्माण हेतु पानी की पैसा वितरण किया लेकिन जमीन स्तर पर इस गांव में बना सामुदायिक शौचालय ग्रामवासियों के लिए निर्माण तो हुआ लेकिन कभी शौचालय करना नसीब नही हुआ । बता दे की कागजों में ग्राम सभा इच्छा चौबे के पूरा गांव को ओडीएफ यानी खुले में शौच मुक्त ग्राम सभा का तमगा भी दे दिया गया । परंतु जमीनी हकीकत इसके ठीक उलट नजर दिखाई दे रही है । उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा ग्राम पंचायतों में विकास के नाम पर पैसे को पानी की तरह बहा रही है। इस ग्राम सभा मे बना सामुदायिक शौचालय ने सरकार की विकास की सारी योजनाओ की पोल खोल रही है इस ग्राम सभा मे बना सामुदायिक शौचालय जब से बना अभी तक ताला ही लटकता दिखाई दे रहा है, वही ग्रामीणों का कहना है की जब से सामुदायिक शौचालय बना है आज तक गाँव वालों को शौच करने का नसीब नहीं हुआ जिससे लोगों को काफी दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है । इस मामले में खंड विकास अधिकारी शिवांकित वर्मा ने कहा की यह मामला हमारे संज्ञान में आते ही हमने संबंधित सचिव के खिलाफ स्पष्टीकरण का नोटिस जारी कर दिया गया गया एवं संबंधित एडीओ पंचायत को निर्देश दिया गया है की जल्द से जल्द मामले की जांच करके अवगत कराए और जिसके पश्चात दोसियो के ऊपर कार्यवाही की जायेगी ।

विज्ञान शिक्षकों की दिशा निर्देशन जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

बलिया। राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद भारत सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रम राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आज 18 अगस्त 2023 दिन शुक्रवार को आर के मिशन स्कूल, सगरपाली के सभागार में मार्गदर्शक विज्ञान शिक्षकों की दिशा निर्देशन जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई,इस कार्यशाला का उद्घाटन डॉ प्रतिभा त्रिपाठी एकेडमिक समन्वयक ने दीप प्रज्वलित करके किया,कार्यशाला के प्रारंभ में प्रधानाचार्य लाला रत्नेश्वर ने कार्यशाला मैं आए हुए प्रतिभागी अध्यापकों विशेषज्ञों का स्वागत किया। कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र में जिला एकाडमिक कोऑर्डिनेटर डॉ प्रतिभा त्रिपाठी पूर्व प्राचार्य एस सी कॉलेज ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को वैज्ञानिक बनाना नहीं बल्कि उनकी वैज्ञानिक क्षमता को विकसित करना है। इस कार्यक्रम में 10 वर्ष से ऊपर 17 वर्ष तक के बाल वैज्ञानिक दो के समूह में प्रतिभाग करते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश में जाकर विज्ञान प्रतिभाओं की खोज करना एवं बच्चों में वैज्ञानिक चेतना का अंकुरण कर उन्हें स्थानीय परिवेश में तार्किक वैज्ञानिक खोज की दिशा में आगे बढ़ाना है। जिसका मुख्य विषय स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पारितंत्र को समझना । इनके पांच उप विषय नंबर 1 अपने पारितंत्र को समझना 2.स्वास्थ्य पोषण व कल्याण को प्रोत्साहन देना 3. पारितंत्र और स्वास्थ्य के लिए सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रथाएं 4. आत्मनिर्भरता के लिए पारितंत्र आधारित दृष्टिकोण 5. पारितंत्र और स्वास्थ्य के लिए तकनीक नवाचार । इसी विषय में से किसी एक पर प्रोजेक्ट कार्य किया जाता है, आशुतोष कुमार सिंह तोमर एसआरजी बेसिक शिक्षा और उपाध्यक्ष राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस ने पीपीटी के माध्यम से प्रोजेक्ट की बारीकियों को समझाते हुए बताया कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस एक अभिनव गतिविधि है।

सड़क दुर्घटना में बिजलीकर्मी की मौत

चकिया। चंदौली। इलिया थाना अंतर्गत बेन गांव निवासी भानू प्रताप पुत्र तुलसी उम्र लगभग 38 वर्ष का गुरूवार की सायं में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई । इनकी मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। घटना सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर अगली कार्यवाही करते पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । बताया जा रहा है कि भानू प्रताप गुरूवार चकिया से घर बेन जा रहा था कि खरौझा गांव के पास विपरीत दिशा से तेज रफ्तार आ रही बाइक ने जोरदार धक्का दिया । जिससे भानू बुरी तरह घायल हो गया । वहीं धक्का मारने वाला दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो । घायलों को जिला संयुक्त चिकित्सालय चकिया में लाये गये । जहां चिकित्सक ने भानू प्रताप को मृत घोषित कर दिया । वही दो अन्य घायलों को वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया । परिजनों का कहना है कि भानू के पिता तुलसी की लम्बी बिमारी के कारण

विगत लगभग 15 साल पहले हो गई थी जो बिजली विभाग के कर्मचारी थे । भानू अपने के स्थान पर मृतक आश्रित पर लाइन मैन के पद कार्य कर रहे थे। भानू का भी गुरूवार को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई । भानु के तीन लड़की दो लड़का है। परिजनों ने यह भी बताया कि भानू का छोटा भाई संविदा लाइन मैन सुद्धू प्रताप पुत्र तुलसी जो संविदा पर बिजली विभाग का कर्मचारी था जिनका भी मौत विगत तीन पहले बिजली के खंभे पर कार्य करते समय करेंट के चपेट में आने से मौत हो गई थी । बता दें कि एक ही परिवार के तीन बिजली कर्मीयों की मौत पूरा परिवार सदमे है । अब देखना यह है कि विभाग इस परिवार का कहां तक मदद करता है या यह परिवार यूं ही गरीबी से झेलता रहेगा।

अमृत काल को सशक्त बनाने पर हुई चर्चा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारत ने 1 दिसंबर, 2022 को एक वर्ष की अवधि के लिए यानी 30 नवंबर, 2023 तक जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है जी-20 प्रेसीडेंसी के ढांचे के तहत, युवा मामलों का विभाग, युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार युवा 20 का आयोजन कर रही है। इसका आयोजन 17 से 20 अगस्त, 2023 तक पवित्र शहर वाराणसी में हो रहा है`

वाराणसी में रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और कन्वेंशन सेंटर (आरआईसीसीसी) में चल रहे चार दिवसीय युवा 20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान युवाओं को युवाओं के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने और तैयार करने के लिए खुली चर्चा, विचार और इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन हो रहा है और साथ ही युवाओं के वैश्विक विकास के लिए एक रोडमैप तैयार करने का मंच प्रदान किया गया है`

वाई 20 शिखर सम्मेलन के तीसरे दिन 'शासन में सहभागिता के माध्यम से अमृत पीढ़ी को सशक्त बनाना' विषय पर एक सत्र आयोजित किया गया जिसका संचालन MyGov India के निदेशक आशीष खरे और वरिष्ठ प्रबंधक रेनू सिंह ने किया` सत्र की शुरूआत भारत की प्रेरक शक्ति 'युवा शक्ति' पर जोर देने वाले एक वीडियो के साथ हुई इसके बाद My Gov प्लेटफॉर्म की एक अंतर्दृष्टिपूर्ण झलक दिखाई गई जिसे भारत सरकार के नागरिक सहभागिता प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित किया गया है जो नीति निर्माण के लिए नागरिकों के साथ जुड़ने और जनता के मुद्दों ,विषयों पर लोगों की राय लेने के लिए कई सरकारी निकायों और मंत्रालयों के साथ सहयोग करता है` प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया गया कि MyGov ने बार-बार नागरिकों से नीतियों का मसौदा तैयार करने के लिए इनपुट मांगा है। उनमें से राष्ट्रीय शिक्षा नीति, डेटा सेंटर

नीति, डेटा संरक्षण नीति, राष्ट्रीय बंदरगाह नीति, आईआईएम विधेयक आदि शामिल हैं। MyGov भी मन की बात, वार्षिक बजट, परीक्षा पे चर्चा और ऐसी कई अन्य पहलों के लिए अक्सर विचार मांगता रहा है`

सत्र के बाद वाई 20 ड्राफ्ट कम्युनिके पर चर्चा हुई, जहां जी - 20 देशों, अतिथि देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 100 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि वाई 20 के निम्नलिखित पांच पहचाने गए विषयों पर विचार-विमर्श और बातचीत में शामिल हुए -

1 - कार्य का भविष्य उद्योग 4.0, नवाचार और 21वीं सदी के कौशल`

2- शांति निर्माण और सुलह युद्ध रहित युग की शुरूआत`

3- जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण स्थिरता को जीवन का एक तरीका बनाना`

4- साझा भविष्य लोकतंत्र और शासन में युवा`

5- स्वास्थ्य, भलाई और खेल युवाओं के लिए एजेंडा`

संबंधित विषयों की पांच ट्रैक चेयर के सतर्क मार्गदर्शन के तहत पांच अलग-अलग सम्मेलन कक्षों में चर्चाएं हुईं और इस प्रकार वाई 20 कम्यूनिक के प्रारूपण का मार्ग प्रशस्त हुआ` इन सत्रों ने जी-20 एजेंडा से संबंधित सहमत सिफारिशों के आधार पर एक चर्चा मंच प्रदान किया जिसे जी-20 प्राथमिकताओं पर वैश्विक युवाओं के दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक संयुक्त विज्ञप्ति में संकलित किया जा रहा है कई महीनों की सिफारिशों, विचारों, विचार-मंथन सत्रों, युवा परामर्शों और चर्चाओं के परिणाम है आधार पर Y20 कम्युनिक को अंतिम रूप दिया जा रहा है` तीसरे दिन एक आयोजक सम्मेलन भी आयोजित किया गया जिसमें फरवरी, 2023 में गुवाहाटी, असम में आयोजित युवा 20 शिखर सम्मेलन की शुरूआती बैठक से आगे की चर्चा की गई`

सम्मेलन की अध्यक्षता भारत के ओसी प्रतिनिधि प्रियांक चौहान और संयोजक अजय कश्यप सहित वाई 20 सचिवालय के सदस्यों ने की इस दौरान वाई 20 इंडिया के सचिव अभिषेक मल्होत्रा, आर्य झा और दृष्टि रावल भी मौजूद थे` आयोजकों के सम्मेलन में वाई 20 विज्ञप्ति के लिए आगे बढ़ने का विचार किया गया और जी -20 भारत की 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' की भावना को दशार्ते हुए वाई 20 समूहों के बीच आपसी सीख और समर्थन पर जोर देते हुए एक निर्णायक दस्तावेज तैयार किया गया। यूथ 20 जी-20 के आधिकारिक सहभागिता समूहों में से एक है यूथ20 (वाई 20) एंगेजमेंट ग्रुप ने देश के युवाओं को बेहतर कल के विचारों पर परामर्श देने और कार्रवाई के लिए एक एजेंडा तैयार करने के लिए पूरे भारत में चर्चा का किया आयोजन।

संक्षिप्त खबरें

श्यामा डीलर मोटर्स ने किया कस्टमर संगोष्ठी का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। श्याम जी गुप्ता ने मीडिया से बातचीत में बताया की हमारे अधिकृत डीलर श्यामा मोटर्स पड़ाव चौराहा पर कस्टमर संगोष्ठी का आयोजन किया गया हमने हमारे टीवीएस मोटर कम्पनी के मैनेजर प्रशांत यादव की उपस्थिती में गाड़ी के बारे में बताया गया और आने वाली नई इलेक्ट्रीक ऑटो के करे में बताया गया इसमें उपस्थित डायरेक्टर शाम जी गुप्ता, प्रबंधक दीपक यादव, सर्विस प्रबंधक अशिष साहु एवं उपप्रबंधक अनील यादव मौजूद रहे ` इस अवसर पर प्रशांत यादव के द्वारा फीता काटकर शुभारम्भ किया गया और बीएस-06, ओबिडी -02 गाड़ियों के में बताया गयाे श्यामा मोटर्स पर टीवीएस थ्री व्हीकल गाड़ियों की समस्त रेन्ज उपलब्ध हैं तथा आप वाराणसी, मीरजापुर एवं व्यास बाग तरना में शो रूम उपलब्ध हैे टीवीएस -3 व्हील्स गाड़ियों में (साइलेंट इंजन), (आई टच), (आई .एस .जी.) की सुविधा एवं मजबूत चैसिस है तथा सभी गाड़िया बहेतरीन माइलेज एवं पिकप के लिए कस्टमर की पहली पसंद बन गया हैे हमारे यहाँ किसी एवं सरकारी बैंक से पाईनेस की सुविधा है।

सी.बी.एस.ई. ने डालिम्स सनबीम रोहनिया की प्रधानाचार्या गुरमीत कौर को ग्रुप ए का तथा संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल कोइराजपुर की प्रधानाचार्या डॉ. नीलम सिंह को ग्रुप बी का सिटी को-ऑर्डिनेटर किया नियुक्त

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सी.बी.एस.ई. द्वारा आयोजित C.T.E.T परीक्षा वाराणसी के विभिन्न केन्द्रों पर 20 अगस्त 2023 को दो पालियों में सम्पन्न होगी इस परीक्षा के लिए सी.बी.एस.ई. ने वाराणसी जिले से डालिम्स सनबीम रोहनिया की प्रधानाचार्या गुरमीत कौर को ग्रुप ए का सिटी को-ऑर्डिनेटर तथा संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल कोइराजपुर की प्रधानाचार्या डॉ. नीलम सिंह को ग्रुप बी का सिटी को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किया है संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल कोइराजपुर की प्रधानाचार्या डॉ. नीलम सिंह जी ने यह विशेष जानकारी साझा की है कि ग्रुप ए में 45 तथा ग्रुप बी में 44 सेन्टर है अतः इस परीक्षा के लिए कुल 99 सेन्टर कार्यरत है जिसमें ग्रुप ए में 69422 अभ्यर्थी तथा ग्रुप बी में 53160 अभ्यर्थी सम्मिलित हांगे` राष्ट्रस्तरीय इस प्रतिष्ठित परीक्षा में कुल 122582 अभ्यर्थी सम्मिलित हांगे इस परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए वाराणसी के सभी विद्यालय अपनी पूरी टीम के साथ तैयार हैं।

सातों तहसीलों में हुआ समाधान दिवस का आयोजन, सदर तहसील में सीडीओ ने की अध्यक्षता

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जन समस्याओ के त्वरित निस्तारण हेतु सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील सदर में मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमे 60 प्रार्थना प्राप्त हुए और मौके पर 03 का निस्तारण किया गया। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सातो तहसीलो की सूचना के अनुसार सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 328 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मौके पर 28 प्रार्थना पत्रो का निस्तारण किया गया। इसी क्रम में तहसील कासिमाबाद में अपर जिलाधिकारी भू राजस्व की अध्यक्षता में 51 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें 05 का मौके पर निस्तारण किया। तहसील जमानियॉ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 27 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 06 का मौके पर निस्तारण किया गया। सैदपुर तहसील में अपर जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 34 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मौके 04 का निस्तारण किया गया। तहसील मुहम्मदाबाद में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 40 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 02 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सेवराई में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 32 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से मौके पर 04 का निस्तारण किया गया एवं तहसील जखनियां में अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 84 प्रार्थना प्राप्त 04 का मौके पर निस्तारण किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रो का सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अविलम्ब मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए निस्तारण करायी जाय। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर, तहसीलदार सदर एवं समस्त जनपदस्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मरदह क्षेत्र में हत्या का पुलिस ने किया सफल अनावरण 02 अभियुक्त आलाकत्ल गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम मे अपराध एवम् अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के निकट पर्यवेक्षण में शनिवार को स्वाट व सर्विलांस टीम तथा थाना मरदह पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा थाना मरदह क्षेत्र में सिरसी नहर पुलिया के पास हुई सनसनी खेज हत्या का सफल अनावरण करते हुए प्रकाश में आये 02 नफर अभियुक्त को ग्राम महाहर धाम चौराहे से समय करीब 01.15 बजे मध्यरात्रि गिरफ्तार किया गया, गिरफ्तारशुदा अभियुक्तो के पास से 01 अदद आलाकत्ल नाजायज पिस्टल तथा 01 अदद जिन्दा कारतूस 9 एमएम व 01 अदद देशी तमंचा .315 बोर तथा घटना में प्रयुक्त 01 अदद मोटर साईकिल बरामद किया गया, जिसके सम्बन्ध में थाना मरदह मे धारा 147/148/149/ 302/307/ 504/506 व 7 सीएल एक्ट पंजीकृत है, अन्य अग्रिम विधिक कार्यवाही सम्बन्धित थाने द्वारा की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों में कृष्ण राय उर्फ पिन्टू राय पुत्र स्व0 चन्द्रिका राय निवासी ग्राम कंसहरी थाना मरदह जनपद गाजीपुर। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी स्वाट सर्विलांस मय टीम तथा प्रभारी निरीक्षक मय हमराह थाना मरदह जनपद गाजीपुर के लोग शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

करगिल में धमाका : तीन की मौत, 10 घायल

श्रीनगर। लद्दाख के करगिल जिले में शुक्रवार को एक कबाड़ी की दुकान के अंदर संदिग्ध वस्तु में विस्फोट होने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि द्रास के कबाड़ी नाला इलाके में एक कबाड़ी की दुकान के अंदर एक संदिग्ध वस्तु में विस्फोट हो गया।

सीआरपीएफ के अधिकारी ने खुद को मारी गोली

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन के अधिकारी ने अपने सर्विस राइफल से कथित रूप से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि बीजापुर स्थित 170 वीं वाहिनी के मुख्यालय में आज लगभग 11 बजे 210 कोबरा बटालियन के निरीक्षक शफी अख्तर ने अपने सर्विस राइफल से कथित तौर पर खुद को गोली मार ली।

ट्रम्प ने तोड़फोड़ मामले में मुकदमा चलाने का रखा प्रस्ताव

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनके खिलाफ विशेष वकील जैक स्मिथ के आपराधिक चुनाव तोड़फोड़ मामले की देखरेख करने वाले एक संघीय न्यायाधीश को अप्रैल 2026 के लिए सुनवाई निर्धारित करने का प्रस्ताव दिया है। सीएनएन ने बताया, गुरुवार शाम एक फाइलिंग में, ट्रम्प ने वाशिंगटन, डी.सी. में अमेरिकी जिला न्यायाधीश तान्या चुटकन से जनवरी 2024 के मुकदमे के लिए स्मिथ के प्रस्ताव को खारिज करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वह अधिक तेजी से परीक्षण कैलेंडर चाहते हैं।

ब्रिटनी स्पीयर्स के पति ने की तलाक अर्जी में वित्तीय सहायता की मांग

लॉस एंजिलिस। ब्रिटनी स्पीयर्स और उनके पति सैम असगरी लगभग तीन सप्ताह पहले अलग हो गए थे और उनकी तलाक की अर्जी के अनुसार, सैम वित्तीय सहायता और वकील की फीस की मांग कर रहे हैं। सैम (29) ने बुधवार देर रात लॉस एंजिलिस काउंटी कोर्ट में 41 वर्षीय पॉप सुपरस्टार ब्रिटनी स्पीयर्स (41) के साथ अपनी 14 महीने पहले हुई शादी को खत्म करने के लिए यह तलाक याचिका दायर की। कैलिफ़ोर्निया में तलाक के लिए आवेदन करने वाले अधिकतर लोगों की तरह, उन्होंने तलाक का कारण मतभेदों को बताया है।

इमरान के भतीजे को मुकदमे चलाने के लिए सेना को सौंपा

लाहौर । पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के भतीजे को नौ मई को यहां ऐतिहासिक कोर कमांडर हाउस में हुई तोड़फोड़ में संलिप्तता के आरोप में मुकदमा चलाने के लिए सेना को सौंप दिया गया है। लाहौर उच्च न्यायालय को पुलिस द्वारा सौंपी गई एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। हसन खान नियाजी नौ और 10 मई के विरोध प्रदर्शन के बाद से छिपा हुआ था और पुलिस ने 13 अगस्त को उसे ऐबटाबाद से गिरफ्तार किया था। खान की पीटीआई के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में नौ मई को कोर कमांडर हाउस, जिसे जिन्ना हाउस भी कहा जाता है, पर धावा बोल दिया था और तोड़फोड़ करने के बाद उसमें आग लगा दी थी।

नौसेना के प्रशिक्षण प्रोटोटाइप विमान ने पहली सफल उड़ान भरी

बेंगलुरू। वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) ने कहा कि हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) नौसेना प्रशिक्षण प्रोटोटाइप 'एनपी5' की पहली उड़ान शुक्रवार को सफलतापूर्वक आयोजित की गई। एडीए ने कहा कि पहली उड़ान यहां एचएएल हवाई अड्डे से आयोजित की गई और विमान को कैप्टन अमित कवाडे (आईएन) ने उड़ाया। इसमें कहा गया है कि विमान ने अपराह्न दो बजकर 20 मिनट पर उड़ान भरी और सभी मापदंड सामान्य होने के साथ 57 मिनट तक विमान हवा में रहा। 'एनपी5' को एडीए और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा संयुक्त रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है।

जम्मू-कश्मीर : विदेशी आतंकवादी का शव मिला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में इस महीने की शुरुआत में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में घायल हुआ एक विदेशी आतंकवादी शुक्रवार को मृत पाया गया। राजौरी जिले के खवास इलाके में पांच अगस्त को हुई गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया था, जबकि एक घायल हो गया था। जम्मू क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने बताया, 'खवास मुठभेड़ में घायल हुए आतंकवादी का शव एसओजी द्वारा रियासी के ढाकीकोट इलाके में ढूंढा गया।' सिंह ने बताया कि घटनास्थल पर दो ग्रेनेड, एके राइफल की तीन मैगजीन, 90 गोलियां, पिस्तौल की 32 गोलियां और कुछ अन्य सामग्री बरामद की गई।

बेंगलुरू में पहले 3डी डाकघर का उद्घाटन

बेंगलुरू/नई दिल्ली (भाषा)। बेंगलुरू में 3डी प्रिंटिंग तकनीक का उपयोग करके रोबोट प्रिंटर से निर्मित भारत के पहले डाकघर का शुक्रवार को उद्घाटन किया गया। रोबोट प्रिंटर ने 3डी मॉडल डिजाइन के अनुरूप कंक्रीट की परत-दर-परत तैयार कर इमारत का निर्माण किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 3डी प्रिंटिंग तकनीक से निर्मित डाकघर की सराहना करते हुए शुक्रवार को कहा कि यह देश के नवाचार और प्रगति का प्रमाण होने के साथ ही आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रतीक है। डाक विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि शहर के कैम्ब्रिज लेआउट में 1,021 वर्ग फुट क्षेत्र में डाकघर का निर्माण किया गया है। डाक अधिकारियों के अनुसार, इस डाकघर का निर्माण लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड ने किया है जबकि आईआईटी मद्रास ने इसके लिए तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया।

- रोबोट प्रिंटर ने किया 3डी मॉडल डिजाइन के अनुरूप कंक्रीट की परत-दर-परत तैयार कर इमारत का निर्माण

केंद्रीय रेलवे, संचार, इलेक्ट्रानिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस डाकघर का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद वैष्णव ने कहा, 'विकास की भावना, अपनी तकनीक विकसित करने की भावना, पहले के समय में असंभव माने जाने वाले (कार्य) को करके दिखाने की भावना- यही इस दौर की परिभाषित विशेषता है।'

पीएम मोदी ने जी20 देशों से जनता की भलाई के लिए नवाचार का आग्रह किया

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जी20 देशों से प्रौद्योगिकी की समान उपलब्धता की सुविधा देने का आग्रह किया और उनसे जनता की भलाई के लिए नवाचार को सभी के वास्तु सुलभ करने की भी अपील की।

गुजरात की राजधानी गांधीनगर में जी20 स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक को वीडियो लिंक के जरिए संबोधित करते हुए उन्होंने सभी से अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति को रोकने, उसके लिए तैयारी करने और प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। मोदी ने कहा, 'डिजिटल समाधान और नवाचार हमारे प्रयासों को न्यायसंगत व समावेशी बनाने के उपयोगी साधन हैं।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'वैश्विक स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल विभिन्न डिजिटल स्वास्थ्य पहलों को एक साझा मंच पर लाएगी। आइए अपने नवाचारों को जनता की भलाई के लिए खोलें। आइए हम वित्त पोषण (फंडिंग) के दोहराव से बचें।' उन्होंने कहा, 'आइए हम प्रौद्योगिकी की समान उपलब्धता को सुविधाजनक बनाएं। यह पहल वैश्विक दक्षिण के देशों को स्वास्थ्य सेवा वितरण में अंतर को कम करने की अनुमति देगी।

कोविड-19 अब भी वैश्विक स्वास्थ्य खतरा, नए स्वरूप की जांच जारी

गांधीनगर (भाषा)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने कहा कि कोविड-19 अब दुनिया के लिए स्वास्थ्य आपात नहीं रह गया है लेकिन अब भी यह 'वैश्विक स्वास्थ्य खतरा' बना हुआ है तथा कोरोना वायरस का नया स्वरूप पहले से ही जांच के दायरे में है। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख गुजरात की राजधानी गांधीनगर में महात्मा मंदिर सम्मेलन केंद्र में आयोजित जी-20 स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, 'कोविड-19 वर्तमान में वैश्विक स्वास्थ्य आपात नहीं रह गया है, लेकिन अब भी यह वैश्विक स्वास्थ्य खतरा बना हुआ है। डब्ल्यूएचओ ने हाल में कोरोना वायरस के नए स्वरूप की पहचान की है जिसका स्वरूप कई बार परिवर्तित हो चुका है। बीए.2.86 स्वरूप की वर्तमान में निगरानी और जांच की जा रही है जो एक बार फिर दर्शाता है कि सभी देशों को चौकसी बरतने की जरूरत है।'

इस अवसर पर उन्होंने सभी देशों से अनुरोध किया कि वे 'महामारी समझौते' को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में तेजी लाएं ताकि इसे अगले साल होने वाली विश्व स्वास्थ्य सभा में इसे स्वीकृत किया जा सके। घेब्रेयेसस ने जी-20 सदस्य देशों को अपने संबोधन में कहा, 'कोविड-19 ने हम सभी को यह अहम पाठ सिखाया है कि अगर स्वास्थ्य खतरे में है तो सबकुछ खतरे में है। दुनिया इस महामारी के कष्टपूर्ण पाठ को सीख रही है।'

उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत सऊदी अरब की अध्यक्षता के साथ हुई। उन्होंने कहा कि चर्चा के परिणामस्वरूप अंतरिम अध्यक्ष के तहत एक संयुक्त 'वित्त स्वास्थ्य कार्य बल' की स्थापना हुई, जिसका समर्थन इंडोनेशिया और अब भारत ने अपनी अपनी संबंधित अध्यक्षता के कार्यकाल के दौरान की।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा कि महामारी समझौता और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य नियमों में संशोधन पर चर्चा में अच्छी प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा कि दोनों ही समावेशी, सुसंगत और न्यायसंगत वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा ढांचे के लिए कानूनी और संगठनात्मक खाका के निर्माण को लेकर आवश्यक है।

ब्रिटेन में सिख पर दो लोगों को चाकू मारने का आरोप तय

लंदन (भाषा)। पश्चिमी लंदन के साउथहॉल में एक सामुदायिक कार्यक्रम के दौरान दो लोगों पर चाकू से हमला करने के मामले में सिख समुदाय के 25 वर्षीय व्यक्ति पर आरोप तय किए गए हैं।

पुलिस ने कहा कि गुरप्रीत सिंह लंदन के उक्सब्रिज मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश हुआ और उस पर कई अपराधों में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को कहा कि इन आरोपों में जानबूझकर गंभीर रूप से शारीरिक चोट पहुंचाना, हंगामा करना, धारदार हथियार से हमला करना और धारदार हथियार बरामद होना शामिल है। सिंह (25) को हिरासत में भेज दिया गया है और उसे 14 सितम्बर को लंदन में आइलेवर्थ क्राउन कोर्ट में पेश होने के लिए कहा गया है। घटना भारत के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर साउथ हॉल में मंगलवार रात को आयोजित एक सामुदायिक कार्यक्रम के दौरान हुई थी। सोशल मीडिया पर आए घटना के वीडियो में खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों और संदिग्धों का पीछा कर रहे पुलिस अधिकारियों के बीच झड़प होती दिख रही है। इलिंग, पश्चिम लंदन में आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार मेट्रोपोलिटन पुलिस अधीक्षक सीन लिंच ने कहा, मैं मानता हूं कि इस घटना ने साउथहॉल और लंदन तथा उसके आसपास के सिख समुदायों में भारी चिंता पैदा कर दी होगी।

अमेरिका, जापान व द. कोरिया नए सुरक्षा संकल्प पर करेंगे हस्ताक्षर

- इसमें तीनों देशों ने सुरक्षा संकट या प्रशांत महासागर क्षेत्र में खतरे के मद्देनजर एक दूसरे से सलाह मशविरा करने की प्रतिबद्धता जताई गई है

वाशिंगटन (एपी)। अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया एक नए सुरक्षा संकल्प पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं, जिसमें तीनों देशों ने सुरक्षा संकट या प्रशांत महासागर क्षेत्र में खतरे के मद्देनजर एक दूसरे से सलाह मशविरा करने की प्रतिबद्धता जताई गई है। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

बाइडन शुक्रवार को दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा का मेरीलैंड के कैंप डेविड में एक शिखर सम्मेलन के लिए स्वागत करने वाले हैं और इस दौरान इस नए समझौते पर बातचीत होने वाली है। यह कदम उन विभिन्न संयुक्त प्रयासों में से एक है जिनकी घोषणा इस शिखर सम्मेलन में की जा सकती है। तीनों देश उत्तर कोरिया के परमाणु हमले के खतरे और प्रशांत महासागर में चीन के दखल के कारण बढ़ती चिंताओं के बीच अपनी सुरक्षा और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करना चाहते हैं। किशिदा ने बृहस्पतिवार को तोक्यो से रवाना होने से पहले पत्रकारों से कहा कि यह शिखर सम्मेलन अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ 'त्रिपक्षीय रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने का ऐतिहासिक अवसर' होगा।

उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि जापान-अमेरिका-दक्षिण कोरिया शिखर सम्मेलन आयोजित करना बेहद सार्थक है जहां तीनों देशों के नेता इकट्ठा होंगे क्योंकि जापान के आसपास सुरक्षा का माहौल लगातार गंभीर होता जा रहा है।' बाइडन प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर कहा, 'सलाह-मशविरा के कर्तव्य' का संकल्प इस बात को दर्शाता है कि तीनों देश 'मूलत : आपस में जुड़े सुरक्षा माहौल' को साझा करते हैं और इनमें से किसी भी एक देश पर हमला सभी पर हमला होगा।

अधिकारी ने कहा कि इस संकल्प के तहत तीनों देश सलाह मशविरा करने, सूचना साझा करने और खतरा या संकट की स्थिति में एक दूसरे से सूचना साझा करने पर सहमत हुए हैं। अधिकारी ने कहा कि यह प्रतिबद्धता अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत प्रत्येक देश के अपनी रक्षा करने के अधिकार का उल्लंघन नहीं करती है, न ही यह अमेरिका और जापान तथा अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच मौजूदा द्विपक्षीय संधि प्रतिबद्धताओं को बदलती है। दोनों देशों के बीच अमेरिका के 80,000 से अधिक सैनिक तैनात हैं। बाइडन के राष्ट्रपति कार्यकाल में कैंप डेविड में आयोजित यह पहला शिखर सम्मेलन होगा।

चीन ने की आलोचना

बीजिंग (एपी)। चीन ने अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के नेताओं के बीच इस सप्ताहांत हो रहे सम्मेलन की एक बार फिर आलोचना करते हुए कहा कि किसी भी देश को 'दूसरों के सुरक्षा हितों तथा क्षेत्रीय शांति एवं स्थायित्व की कीमत पर अपनी सुरक्षा का प्रयास नहीं करना चाहिए।'

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग ने शुक्रवार को दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय की इस बात की अपनी समझ है कि कौन अंतर्विरोध पैदा कर रहा है तथा तनाव बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, विभिन्न विशिष्ट समूह एवं गुट बनाने तथा एशिया प्रशांत क्षेत्र में इन गुटों के बीच टकराव पैदा करने की कोशिश ठीक नहीं है और उससे निश्चित ही इस क्षेत्र के देशों में सतर्कता एवं विरोध बढ़ेगा। अमेरिका के कैंप डेविड प्रेसिडेंशियल रिट्रीट में जापान एवं दक्षिण कोरिया के बीच सुरक्षा एवं आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने पर यह सम्मेलन केंद्रित होगा। वैसे तो ऐतिहासिक दृष्टि से जापान और दक्षिण कोरिया के बीच कटुतापूर्ण संबंध रहे हैं लेकिन पिछले वर्ष उनके संबंधों में तेजी से सुधार हुआ क्योंकि प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे और उत्तर कोरिया की ओर से लगातार बढ़ते परमाणु खतरे ने इन दोनों को चिंता में डाल दिया है।

दक्षिण चीन सागर के विवादित द्वीप पर हवाई पट्टी बना रहा चीन

बीजिंग (एपी)। चीन विवादित दक्षिण चीन सागर के उस द्वीप पर एक हवाई पट्टी का संभवतः निर्माण कर रहा है, जिस पर वियतनाम और ताइवान भी दावा करते हैं। उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों से यह जानकारी सामने आई है।

पारासेल द्वीप समूह के ट्राइटन द्वीप पर जारी कार्य स्प्रैटली द्वीप समूह पर सात मानवनिर्मित द्वीपों के निर्माण की तरह ही प्रतीत होता है। ये मानव निर्मित द्वीप हवाईपट्टियों, गोदी और सैन्य प्रणालियों से युक्त हैं। ट्राइटन द्वीप पर निर्माण कार्य का पैमाना अभी उतना व्यापक प्रतीत नहीं होगा।

चीन लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है, वह इस पर अन्य देशों के दावों को खारिज करता है और उसके दावे को अमान्य करार देने वाले अंततराष्ट्रीय फैसले की अवहेलता करता है। 'प्लैनेट लैब्स पीबीसी' से मिली उपग्रह तस्वीरों का 'द एसोसिएटेड प्रेस' ने विश्लेषण किया। इन तस्वीरों में हवाई पट्टी का निर्माण कार्य अगस्त की शुरुआत में होता दिख रहा है।

समाचार वेबसाइट 'द ड्राइव' ने मंगलवार को उपग्रह तस्वीरों को लेकर सबसे पहले जानकारी दी। प्रतीत होता है कि रनवे 600 मीटर (2,000 फीट) से अधिक लंबा है, जो 'टर्बोप्रॉप' विमान और ड्रोन के लिए काफी होगा, लेकिन लड़ाकू विमान या बमवर्षकों के लिए इतनी लंबाई अपर्याप्त है।

इसके अलावा द्वीप पर कंटेनर और निर्माण उपकरण लादे बड़ी संख्या में वाहन भी नजर आ रहे हैं। ट्राइटन, पैरासेल के प्रमुख द्वीपों में से एक है, जो वियतनाम के तट और चीन के द्वीप प्रांत हैनान से लगभग समान दूरी पर है।

संप्रभुता के दावों पर अमेरिका का कोई रुख नहीं है, लेकिन वह चीन के कब्जे वाले द्वीपों पर अपनी नौसेना के पोतों को 'नौवहन की स्वतंत्रता' के तहत नियमित रूप से भेजता रहा है। चीन ने द्वीप पर निर्माण कार्य को लेकर कोई जानकारी मुहैया कराने से इनकार कर दिया और केवल इतना कहा कि इसका मकसद वैश्विक नौवहन सुरक्षा को बढ़ाने में मदद करना है। चीन ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है कि वह उस महत्वपूर्ण जलमार्ग का सैन्यीकरण कर रहा है, जिसके माध्यम से सालाना अनुमानित पांच हजार अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार होता है।

पाक : चर्च पर हमलों में शामिल दो मुख्य संदिग्ध गिरफ्तार

लाहौर (भाषा)। पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने कहा है कि पुलिस ने ईशनिंदा के आरोप में 21 चर्च और अल्पसंख्यक ईसाई समुदाय के लगभग तीन दर्जन घरों पर अभूतपूर्व हमलों में शामिल दो प्रमुख संदिग्धों को गिरफ्तार किया है।

- ईशनिंदा के आरोप में गुस्साई भीड़ ने 21 चर्च और ईसाइयों के 35 घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की थी

नकवी ने पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिरीक्षक के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि दोनों ने प्रमुख संदिग्धों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। पंजाब की प्रांतीय राजधानी लाहौर से 130 किलोमीटर दूर फैसलाबाद जिले के जरांवला शहर में बुधवार को ईशनिंदा के आरोप में गुस्साई भीड़ ने 21 चर्च और ईसाइयों के 35 घरों में तोड़फोड़ की और आगजनी की। नकवी ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर किये गए एक पोस्ट में लिखा, 'जरांवला घटना में एक बड़ी सफलता-दोनों आरोपी सीटीडी की हिरासत में हैं।'

उन्होंने शुक्रवार को किये एक अन्य पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मस्जिदों में शुक्रवार को अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए उपदेश दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, आज पूरे पंजाब में शुक्रवार के उपदेश अल्पसंख्यकों के अधिकारों, पवित्र कुरान और पैगंबर मोहम्मद की शिक्षाओं पर केंद्रित होंगे। उन्होंने कहा, चुनौतीपूर्ण समय के बीच, आइए इस बात पर जोर दें कि ऐसी घटनाओं को धर्म का रंग नहीं दिया जाना चाहिए। अंतर-धार्मिक सद्भाव इस्लाम की बुनियादी शिक्षाओं में से एक है। हमारे देश की शांति को बाधित करने की कोशिश करने वालों को बेनकाब करने में उनके धैर्य और समर्थन के लिए धार्मिक विद्वानों का आभारी हूं। हिंसा भड़कने के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को पंजाब पुलिस ने कम से कम 140 लोगों को गिरफ्तार किया और पांच मामले दर्ज किए।

बाइडन 'बिना किसी पूर्व शर्त' के उत्तर कोरिया के नेता से मिलने को तैयार

वाशिंगटन (वार्ता)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कोरियाई प्रायद्वीप पर सुरक्षा और परमाणु निरस्त्रीकरण पर चर्चा के लिए उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से 'बिना किसी शर्त के' मिलने को तैयार है।

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के रणनीतिक संचार समन्वयक जॉन किर्बी ने जापानी समाचार एजेंसी क्योडो के साथ एक साक्षात्कार में कहा, 'उन्होंने (उ. कोरिया) उस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन यह अभी भी मेज पर हैं। हम बिना किसी पूर्व शर्त बातचीत करने को तैयार हैं।' किर्बी ने यह नहीं बताया कि शीर्ष स्तरीय बैठक करने की पेशकश कब की गई थी, लेकिन उन्होंने कहा कि बाइडन प्रशासन प्योंगयांग तक पहुंचने के प्रयास बढ़ा रहा है। किर्बी ने एक बैठक में प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया की कमी का जिक्र करते हुए कहा, 'लेकिन इसके अभाव में, और अब तक उन्होंने (किम) ने इसमें कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम अपने राष्ट्रीय सुरक्षा हितों और हमारे कोरियाई और जापानी सहयोगियों की रक्षा के लिए हर तरह से तैयार हैं।

यूक्रेन को एफ-16 विमान देगा अमेरिका

द हेग (एपी)। नीदरलैंड के रक्षा मंत्री ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका ने उनके देश को यूक्रेन को एफ-16 लड़ाकू विमानों की आपूर्ति करने के लिए मंजूरी दे दी है।

नीदरलैंड के रक्षा मंत्री कजसा ओलोनग्रेन ने 'एक्स'(पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'मैं यूक्रेन को एफ-16 लड़ाकू विमानों की आपूर्ति का रास्ता साफ करने संबंधी अमेरिका के निर्णय का स्वागत करता हूं। यह हमें यूक्रेन के पायलटों को प्रशिक्षण देने की मंजूरी देता है।' उन्होंने कहा, अगला कदम क्या होगा, इस पर निर्णय के लिए हम यूरोपीय साझेदारों के साथ निकट संपर्क में हैं। यूक्रेन रूस के खिलाफ युद्ध में लड़ाई को और प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक लड़ाकू विमान दिए जाने की लगातार मांग करता रहा है। युद्धक विमानों की आपूर्ति के अतिरिक्त यूक्रेन के सहयोगी देशों को उसके पायलटों को भी प्रशिक्षण देने की जरूरत होगी। अमेरिका का कहना है कि रूस से मुकाबला करने के लिए एफ-16 लड़ाकू विमान अहम हैं। यूक्रेन की मदद कर रहे पश्चिमी गठबंधन में नीदरलैंड, बेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, लक्समबर्ग, नॉर्वे, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्वीडन और ब्रिटेन शामिल हैं। नीदरलैंड ने जुलाई में कहा था कि वह यूक्रेन के पायलटों को एफ-16 लड़ाकू विमान के लिए जरूरी प्रशिक्षण देगा।

मध्य मास्को के ऊपर ड्रोन मार गिराया गया

मॉस्को (एपी)। रूस के वायु रक्षा बलों ने शुक्रवार सुबह मध्य मास्को के ऊपर एक यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया जिसके कुछ टुकड़े एक प्रदर्शनी केंद्र पर गिर गए। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ड्रोन को सुबह चार बजे मार गिराया गया और इसके टुकड़ों से किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि ड्रोन के टुकड़े मास्को शहर के वाणिज्यक एवं कार्यालय परिसर के पास स्थित एक्सपो-सेंटर पर गिरे। वाणिज्यक एवं कार्यालय परिसर को पिछले महीने में ड्रोन से दो बार निशाना बनाया गया है। संबंधित क्षेत्र क्रेमलिन के चार किलोमीटर पश्चिम में है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने नवीनतम हमले को 'कीव शासन का एक और आतंकी हमला' करार दिया।

रूस-यूक्रेन युद्ध में शामिल नहीं होगा बेलारूस

मिन्स्क (आईएएनएस)। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने कहा है कि जब तक यूक्रेन के लोग राज्य की सीमा पार नहीं करेंगे, बेलारूस यूक्रेन में सशस्त्र युद्ध में भाग नहीं लेगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, लुकाशेंको ने गुरुवार को एक साक्षात्कार में मीडिया से कहा, अगर यूक्रेनियन हमारी सीमा पार नहीं करते हैं, तो हम इस युद्ध में कभी भाग नहीं लेंगे, लेकिन हम हमेशा रूस की मदद करेंगे। बेलारूसी राष्ट्रपति ने उन रिपोर्टों का भी खंडन किया कि मॉस्को मिन्स्क को यूक्रेन में अपने विशेष सैन्य अभियान में भाग लेने के लिए मना रहा है। इस बीच लुकाशेंको ने कहा कि युद्ध को टाला जा सकता था और इसे खत्म करना अब भी संभव है। उन्होंने कहा कि किसी भी शांति वार्ता को बिना किसी पूर्व शर्त के आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

चंद्रयान-3: लैंडर मॉड्यूल की स्थिति सामान्य

चंद्रमा के करीब पहुंचा

बेंगलुरू (भाषा)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि चंद्रयान-3 के लैंडर मॉड्यूल (एलएम) को चंद्रमा के करीब ले जाने वाली एक 'डिबूस्टिंग' प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है और इसकी स्थिति सामान्य है।

लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) से युक्त लैंडर मॉड्यूल 20 अगस्त को दूसरी 'डिबूस्टिंग' (गति कम करने की प्रक्रिया) से गुजरेगा, जिसके तहत इसे एक कक्षा में उतारा जाएगा जो इसे चंद्रमा की सतह के बहुत करीब ले जाएगा। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' 23 अगस्त को होने की उम्मीद है। इसरो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'लैंडर मॉड्यूल की स्थिति सामान्य है। एलएम ने सफलतापूर्वक एक डिबूस्टिंग प्रक्रिया को पूरा किया जिससे अब इसकी कक्षा घटकर 113 किलोमीटर, 157 किलोमीटर रह गई है। दूसरी डिबूस्टिंग प्रक्रिया 20 अगस्त, 2023 को भारतीय समयानुसार देर रात दो बजे की जानी है।चंद्रयान-3 का लैंडर मॉड्यूल और प्रणोदन मॉड्यूल बृहस्पतिवार को सफलतापूर्वक अलग हो गए थे। चंद्रयान-3 ने 14 जुलाई को प्रक्षेपण के बाद पांच अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश किया था।

इसरो ने जारी की चंद्रमा की तस्वीरें

बेंगलुरू (भाषा)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-3 के लैंडर मॉड्यूल पर लगे कैमरों द्वारा ली गई चंद्रमा की तस्वीरें शुक्रवार को जारी कीं।प्रणोदन मॉड्यूल और लैंडर मॉड्यूल के बृहस्पतिवार को अलग होने के बाद ली गई तस्वीरों में चंद्रमा की सतह पर गड्ढे दिखाई देते हैं

जिन्हें इसरो द्वारा जारी की गई तस्वीरों में 'फैब्री', 'जियोर्डानो ब्रूनो' और 'हरखेबी जे' के रूप में चिह्नित किया गया है। देश की अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर साझा की गई तस्वीरों में 15 अगस्त को 'लैंडर पोजिशन डिटेक्शन कैमरा' (एलपीडीसी) द्वारा ली गई तस्वीरें और 17 अगस्त को प्रणोदन मॉड्यूल से लैंडर मॉड्यूल के अलग होने के ठीक बाद 'लैंडर इमेजर' (एलआई) कैमरा-1 द्वारा ली गई तस्वीरें शामिल हैं। लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) से युक्त लैंडर मॉड्यूल को शुक्रवार को एक कक्षा में नीचे लाया जाएगा जिससे यह 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' के लिए चंद्रमा की सतह के और करीब आ जाएगा।

रेलवे में क्षमता बढ़ाने को तेजी से घूम रहा विकास का पहिया

नई दिल्ली।

रेलवे में क्षमता बढ़ाने के लिए विकास का पहिया तेजी से घूम रहा है। चालू वित्तीय वर्ष के शुरुआती अब तक चार महीने में बुनियादी ढांचागत विकास पर एक लाख करोड़ रुपये खर्च किये जा चुके हैं। बुनियादी ढांचागत विकास से ट्रेनों की संख्या और उनकी रफ्तार बढ़ाने में बड़ी मदद मिलेगी। हालांकि आगामी आठ महीने पर अभी एक लाख 40 हजार करोड़ रुपये और खर्च किया जाना प्रस्तावित है। रेलवे में पहली बार इतनी बड़ी धनराशि किये जाने से अगले वर्ष की शुरुआत तक रेलवे में ट्रेनों का परिचालन और बेहतर होगा।

दरअसल आम बजट में पहली बार रेलवे के लिए 2.40 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। लिहाजा वित्तीय वर्ष शुरू होते ही प्रस्तावित बुनियादी ढांचागत विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने का काम शुरू हो गया है। रेल मंत्रालय में निरंतर होने वाली समीक्षा में यह पाया गया है कि अभी तक बुनियादी ढांचागत विकास के करीब 33 हजार कार्यों में से सात हजार कार्यों का 75 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इसी क्रम में उच्च घनत्व रेल नेटवर्क (एचडीएन) के 49 परियोजनाओं में से 23 परियोजनाओं का कार्य पूर्ण हो चुका है। 15 परियोजनाओं का 75 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इस तरह से पोर्ट कनेक्टीविटी की नौ परियोजनाओं में से एक पूर्ण हो चुका है जबकि छह परियोजनाओं का 75 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। कोल कनेक्टीविटी की 73 परियोजनाओं पर सात पूर्ण हो चुकी हैं। 36 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इसके अलावा 20 हजार मालगाड़ी के वैगन और 1899 लोकोमोटिव का निर्माण किया जा चुका है। इतनी बड़ी संख्या में विकास कार्यों के पूरे होने से रेलवे की क्षमता बढ़ेगी और ज्यादा ट्रेनें चलायी जा सकेंगी।

- बुनियादी ढांचागत विकास पर चार महीने में एक लाख करोड़ खर्च
- बुनियादी ढांचागत विकास से बढ़ेगी ट्रेनों की रफ्तार

साढ़े चार महीने में एक करोड़ ट्रेनें चलीं

भारतीय रेलवे में रोजाना सैकड़ों ट्रेनों का परिचालन दिन-रात 24 घंटे होता है। लेकिन इसकी गिनती किसी के पास नहीं होती है। फिलहाल रेलवे इनकी गिनती जरूर कर रहा है। चालू वित्तीय वर्ष के शुरुआती साढ़े चार महीने में अभी तक एक करोड़ ट्रेनों का परिचालन किया जा चुका है। परिणामस्वरूप अभी तक ट्रेनो के परिचालन से रेलवे को एक लाख करोड़ रुपये की आय हुई है। इनमें माल ढुलाई से 65 हजार करोड़ रुपये और यात्री यातायात से 40 हजार करोड़ रुपये की आय हुई है।

संक्षिप्त खबरें

भर्ती की तारीख बढ़ी

नई दिल्ली। कारपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) में न्यायिक और तकनीकी पदों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर एक सितंबर कर दी है। एमसीए ने यह जानकारी दी। एमसीए द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इससे पहले आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि पांच जुलाई थी। अधिसूचना के अनुसार, 'उम्मीदवारों की भागीदारी बढ़ाने और सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा का चयन करने के लिए आगे भी आवेदन स्वीकार करने का निर्णय लिया गया है। आनलाइन आवेदन स्वीकार करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर एक सितम्बर, 2023 कर दिया गया है।'

टाटा प्ले को हुआ घाटा

नई दिल्ली। प्रमुख डीटीएच प्रणाली परिचालक टाटा प्ले को मार्च, 2023 को समाप्त वित्त वर्ष में 105.25 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ है। कारोबार आसूचना मंच ट्रॅफलर द्वारा उपलब्ध कराए गए वित्तीय आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। आंकड़ों के अनुसार, कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में 68.6 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया था। कंपनी की परिचालन आय एक साल पहले के 4,741.07 करोड़ रुपए से 5.1 प्रतिशत घटकर 4,499.19 करोड़ रुपये रह गई। टाटा प्ले (पहले टाटा स्काई) सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी नहीं है। कंपनी को आईपीओ के जरिए पूंजी जुटाने की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है।

खनन से अलग हुई एनटीपीसी

नई दिल्ली। एनटीपीसी ने अपना खनन कारोबार अलग कर उसे अपनी इकाई एनटीपीसी माइनिंग लि. को सौंपने के लिए कारोबार हस्तांतरण समझौते (बीटीए) पर हस्ताक्षर किए। कंपनी के खनन कारोबार में छह कोयला खदान शामिल हैं। एनटीपीसी ने कहा, "एनटीपीसी लिमिटेड और एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) ने 17 अगस्त, 2023 को नई दिल्ली में व्यापार हस्तांतरण समझौता किया है। यह समझौता निर्धारित शर्तों के पूरा होने पर प्रभावी हो जाएगा।' कंपनी ने 29 जुलाई, 2023 को शेयर बाजार को एनटीपीसी लि. के निदेशक मंडल से कोयला खनन कारोबार अलग करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की जानकारी दी थी।

निवेश गतिविधियों में तेजी

मुंबई। देश में निवेश गतिविधियों में तेजी आ रही है और पूंजी निवेश चालू वित्त वर्ष में 80 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1.71 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। भारतीय रिजर्व बैंक के बुलेटिन में प्रकाशित लेख में यह कहा गया है। श्रेया भान, राजेन्द्र एन. चव्हाण और राजेश बी. केवडिया के लिखे इस लेख में कहा गया है कि विनिर्माण क्षेत्र की क्षमता उपयोग में सुधार, कर्ज मांग में तेजी और उपभोक्ता धारणा में सुधार से पूंजीगत व्यय को समर्थन मिल रहा है। इसमें कहा गया है कि कंपनियों और बैंकों दोनों के बही-खातों को दुरुस्त करने से उधार गतिविधियों में तेजी आई है।

डेयरी उद्योग का राजस्व बढ़ेगा

मुंबई। मूल्यवर्धित उत्पादों की मजबूत मांग और दूध की स्थिर खपत से वित्त वर्ष 2023-24 में संगठित डेयरी उद्योग के राजस्व में 14-16 प्रतिशत की वृद्धि होगी। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। क्रिसिल रेटिंग्स ने रिपोर्ट में कहा कि कच्चे दूध की आपूर्ति में सुधार के साथ कीमतों में बढ़ोतरी कम रहेगी और लाभप्रदता में 0.2 से 0.5 प्रतिशत का सुधार होगा। क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक मोहित मखीजा ने कहा, 'हमारा मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में वीएपी (मूल्य वर्धित उत्पाद) में देखी गई मजबूत राजस्व वृद्धि आगे जारी रहेगी।(एजेंसी)

पीएम ई-बस सेवा से इलेक्ट्रिक व्हीकल को मिलेगा बढ़ावा

■ पीपीपी के आधार पर चलाई जाएंगी ये बसें ■ 169 शहरों में ये बसें चलाने की योजना ■ ₹57613 करोड़ से चलेंगी 10 हजार बसें

नई दिल्ली (भाषा)। सोसायटी ऑफ मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल (एसएमईवी) ने कहा है कि पीएम ई-बस सेवा योजना शहरी केंद्रों में बिजलीचालित वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए 'उत्प्रेरक' के तौर पर काम करेगी।

एसएमईवी के महानिदेशक सोहिंदर गिल ने एक बयान में कहा, 'बसें शहरी प्रदूषण का एक प्रमुख कारक हैं और इस निर्णय से प्रदूषण के स्तर और उससे होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने में काफी मदद मिलेगी।'

उन्होंने कहा, 'इसके अलावा, यह रणनीतिक कदम विभिन्न शहरी केंद्रों में ईवी को बढ़ावा देने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने के लिए तैयार है, जिससे इलेक्ट्रिक परिवहन की स्वीकार्यता और व्यापक हो सकेगी।' उन्होंने कहा कि इस पहल में प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करने और मौजूदा संसाधनों को बेहतर बनाने में मदद करने की क्षमता है।

गिल ने कहा कि यह भारत को आत्मनिर्भरता, पर्यावरणीय प्रबंधन और ईवी के केंद्र के रूप में स्थापित करने की ओर ले जाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, 'दोपहिया वाहन परिवहन का उपयोग जनता द्वारा किया जाता है और इसका विद्युतीकरण भारत के ईवी मिशन में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बन सकता है।' गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 'पीएम ई-बस सेवा' योजना को मंजूरी दी थी, जिसके तहत सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) माडल के तहत 169 शहरों को 10,000 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। इस योजना की अनुमानित लागत 57,613 करोड़ रुपए है, जिसमें से 20,000 करोड़ रुपए केंद्र सरकार देगी और शेष खर्च राज्यों द्वारा वहन किया जाएगा। यह योजना 10 साल तक बस परिचालन में सहयोग देगी।

जुलाई में निजी इक्विटी उद्यम पूंजी निवेश घटा

मुंबई (भाषा)।

देश में निजी इक्विटी (पीई) और उद्यम पूंजी (वीसी) कोषों का निवेश जुलाई में पांच प्रतिशत घटकर 3.9 अरब डालर रहा है। यहां जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में पीई और वीसी निवेश कुल 59 सौदों के जरिए आया है।

उद्योग के लिए जनसंपर्क का काम करने वाली आईवीसीए और सलाहकार कंपनी ईवी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल के जुलाई माह की तुलना में पीई और वीसी निवेश घटा है। उस समय यह आंकड़ा 4.1 अरब डालर रहा था। हालांकि, यह इस साल के जून की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक रहा है।

गडकरी अपने अधिकारियों के रवैये से नाखुश

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के ऑडिट में द्वारका एक्सप्रेसवे की निर्माण लागत को लेकर उठाए गए सवालों पर अपने मंत्रालय के स्तर पर समुचित प्रतिक्रिया नहीं दिए जाने को लेकर नाराजगी जताई है।

मंत्रालय के सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि गडकरी ने इस मामले में कुछ जिम्मेदार अधिकारियों के असंतुलित रवैये को लेकर असंतोष जताया है और उन्होंने कैग की तरफ से जताई गई आशंकाओं को समय पर दूर करने में नाकाम रहने की जवाबदेही तय करने का निर्देश भी दिया है। कैग ने हाल ही में जारी अपनी ऑडिट रिपोर्ट में कहा है कि द्वारका एक्सप्रेसवे की प्रति किलोमीटर निर्माण लागत 18.2 करोड़ रुपये के शुरुआती अनुमान से 'बहुत अधिक' 251 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर हो गई। इसे लेकर विपक्षी दलों ने सरकार पर हमलावर तेवर अपनाए हुए हैं। विवाद बढ़ने के बाद सड़क परिवहन मंत्रालय ने अपने स्तर पर स्थिति साफ करने की कोशिश की है। लेकिन कैग की आशंकाओं को लेखा परीक्षण के समय ही दूर न किए जाने को लेकर गडकरी संबंधित अधिकारियों के रवैये से खुश नहीं हैं।

भारतमाला परियोजना के पहले चरण के तहत 5,000 लेन किलोमीटर का यह एक्सप्रेसवे 91,000 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जाने का प्रस्ताव 10 अगस्त, 2016 को स्वीकृत हुआ था। लेकिन इसकी निर्माण लागत बाद में काफी बढ़ गई। कैग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने द्वारका एक्सप्रेस के हरियाणा वाले हिस्से को 'एलिवेटेड' मार्ग के रूप में बनाने का फैसला किया जिससे इसकी निर्माण लागत बढकर 251 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर हो गई जबकि पुराना अनुमान 18.2 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर का ही था। निर्माण लागत में आए इस उछाल पर सवाल उठने के बाद मंत्रालय के उच्च पदस्थ सूत्र पहले ही कह चुके हैं कि कैग ने एक्सप्रेसवे के निर्माण की वास्तविक लागत को ध्यान में नहीं रखा है।

सूत्रों का कहना है कि कैग ने राष्ट्रीय गलियारा सक्षमता कार्यक्रम के तहत निर्माण पर 91,000 करोड़ रुपये की कुल लागत को परियोजना के तहत विकसित होने वाले 5,000 किलोमीटर मार्ग से विभाजित कर अपना आकलन पेश किया है।

आईडीएफ-एनबीएफसी के लिए संशोधित दिशानिर्देश जारी

मुंबई (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक ने आईडीएफ-एनबीएफसी को बुनियादी ढांचा क्षेत्र के वित्तपोषण में बड़ी भूमिका निभाने में सक्षम बनाने के मकसद से शुक्रवार को नए दिशानिर्देश जारी किए। इसके तहत उन्हें अब शुद्ध रूप से कम-से-कम 300 करोड़ रुपए का खुद का कोष (एनओएफ) रखना आवश्यक होगा। साथ ही जोखिम भारांश पूंजी-संपत्ति अनुपात न्यूनतम 15 प्रतिशत होना चाहिए। इसमें न्यूनतम शेयर पूंजी (टियर 1) 10 प्रतिशत होनी चाहिए।

आरबीआई ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर डेट फंड-एनबीएफसी (आईडीएफ-एनबीएफसी) पर लागू दिशानिर्देशों की समीक्षा की गई है ताकि उन्हें बुनियादी ढांचा क्षेत्र के वित्तपोषण में बड़ी भूमिका निभाने में सक्षम बनाया जा सके। साथ ही एनबीएफसी के बुनियादी ढांचा क्षेत्र के वित्तपोषण को नियंत्रित करने वाले नियमों में तालमेल बनाया जा सके। यह समीक्षा सरकार के परामर्श से की गयी है।

आईडीएफ-एनबीएफसी से आशय ऐसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी से है, जो जमा नहीं लेती है। यह बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में दीर्घकालिक कर्ज प्रवाह को सुविधाजनक बनाती है।

आर्थिक समृद्धि के नए युग के मुहाने पर है भारत : मोदी

■ एसबीआई रिसर्च के लेख पर प्रधानमंत्री ने लिंक्डइन पर व्यक्त की अपनी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आर्थिक स्थिति के बारे में आकर्षक तस्वीर पेश करने वाली कुछ रिपोर्ट का जिक्र करते हुए शुक्रवार को कहा कि भारत न्यायोचित एवं सामूहिक समृद्धि की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है और यह आर्थिक समृद्धि के नए युग के मुहाने पर खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच लिंक्डइन पर लिखी एक टिप्पणी में कहा कि उन्होंने हाल ही में प्रकाशित दो शोधपरक लेख देखे हैं, जो भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर उत्साही रुख रखने वाले सभी लोगों को पसंद आएंगे। इनमें से एक रिपोर्ट एसबीआई रिसर्च की है, जबकि दूसरी रिपोर्ट पत्रकार अनिल पद्मनाभन ने लिखी है।

■ पीएम ने कहा, कर रिटर्न जमा कराने वाले अग्रणी राज्यों में के रूप में उभरा है उत्तर प्रदेश
■ कहा, मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड में 20 प्रतिशत बढ़ा आईटीआर

प्रधानमंत्री ने कहा, 'ये रिपोर्ट कुछ ऐसे पहलू पर रोशनी डालती है जिन्हें देखकर हमें बहुत खुश होना चाहिए। इसके मुताबिक, भारत न्यायोचित एवं सामूहिक समृद्धि हासिल करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है।' उन्होंने इन रिपोर्ट में दिए गए कुछ आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि एसबीआई रिसर्च ने जमा किए गए आयकर रिटर्न (आईटीआर) के आधार पर वित्त वर्ष 2022-23 में भारित औसत आय 13 लाख रुपए पर पहुंचने की बात कही है, जबकि कर आकलन वर्ष 2013-14 में यह 4.4 लाख रुपए थी।

प्रधानमंत्री ने इन रिपोर्ट से ऐसे कई आंकड़े पेश करते हुए कहा कि ये निष्कर्ष न केवल भारत के सामूहिक प्रयासों को दर्शाते है बल्कि एक देश के तौर पर भारत की क्षमता को भी दिखाते है। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रीय प्रगति के लिए समृद्धि बढ़ना अच्छी बात है। निस्संदेह हम आर्थिक समृद्धि के एक नए युग के मुहाने पर खड़े है और वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' का सपना पूरा करने की राह पर अग्रसर है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से लेकर 2023 के बीच जमा किए गए आईटीआर की तुलना करने पर सभी राज्यों में बढ़ी हुई कर भागीदारी की एक खुशनुमा तस्वीर नजर आती है। उन्होंने कहा, 'उदाहरण के तौर पर आईटीआई आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि उत्तर प्रदेश आईटीआर जमा करने के मामले में अग्रणी प्रदर्शन वाले राज्य के रूप में उभरा है।' इसके साथ ही उन्होंने एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के आधार पर कहा कि मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड जैसे छोटे राज्यों ने भी पिछले नौ साल में आईटीआर दाखिल होने के मामले में 20 प्रतिशत से अधिक बढ़त दर्ज की है।

ओटीटी पर ₹400 तक खर्च कर रहे लोग

■ आनलाइन गेमिंग पर भी हर माह सौ रुपए खर्च कर रहे हैं लोग

नई दिल्ली (भाषा)। उपभोक्ता हर महीने आनलाइन गेमिंग पर 100 रुपये से कम और ओवर-द-टॉप (ओटीटी) मंच पर 200 से 400 रुपए तक खर्च करते है। प्रौद्योगिकी और नीति शोध संस्था 'एस्या सेंटर' ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद (आईआईएम-ए) के एक पत्र में प्रकाशित सर्वेक्षण में बताया गया है कि उपयोगकर्ता प्रतिदिन सोशल मीडिया पर अधिकतम 194 मिनट, आनलाइन गेमिंग पर 46 मिनट और ओटीटी पर 44 मिनट बिताते है। रिपोर्ट में दिल्ली एनसीआर, बेंगलुरु, चेन्नई, मुंबई, कोलकाता, पटना, मैसूर, लखनऊ, जयपुर, और भोपाल के 2,000 उत्तरदाताओं के विचार लिए गए है। इसके अलावा 143 मोबाइल एप्लिकेशन में 20.6 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं का इन-ऐप डेटा पर यह रिपोर्ट आधारित है।

रिपोर्ट के अनुसार, आनलाइन गेमिंग को लेकर नीति निर्माताओं की चिंता उपयोगकर्ता के समय-व्यय और खर्च किए जाने वाले पैसे को लेकर है।

रिपोर्ट माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक के बाद आई है, जिसमें आनलाइन गेमिंग उद्योग पर लगाए गए जीएसटी को सकल गेमिंग राजस्व (जीजीआर) पर 18 प्रतिशत से बदलकर 28 प्रतिशत कर दिया है। इससे जीएसटी पर उद्योग का खर्च 350 से 400 प्रतिशत बढ़ गया है। सर्वेक्षण के अनुसार, आनलाइन गेम के लिए भागीदारी शुल्क में 30 प्रतिशत की वृद्धि से जुड़ाव में 71 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है।

आईसीयू में भर्ती है दार्जिलिंग का चाय उद्योग

कोलकाता (भाषा)।

भारतीय चाय निर्यातक संघ (आईटीईए) के चेयरमैन अंशुमान कनोरिया ने कहा है कि दार्जिलिंग चाय उद्योग 'आईसीयू में भर्ती मरीज' की तरह है और दम तोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि दार्जिलिंग चाय उद्योग को जीवित रखने के लिए सब्सिडी के रूप में कुछ सरकारी सहायता की जरूरत है जो नेपाल से आने वाली चाय से उत्पन्न खतरे को दूर करने में मदद करेगी। यहां बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (बीसीसीआई) द्वारा आयोजित एक सत्र में कनोरिया ने कहा, 'दार्जिलिंग चाय हमारे लिए एक भावना है। यह हमारे खून में बहती है। आज, दार्जिलिंग चाय उद्योग वस्तुतः आईसीयू में एक मरीज की तरह भर्ती है।'

अर्थव्यवस्था में दूसरी तिमाही में आ रही तेजी

■ चिंताएं बढ़ा रही है महंगाई : आरबीआई बुलेटिन

मुंबई (भाषा)।

देश की अर्थव्यवस्था में दूसरी तिमाही में तेजी आ रही है। हालांकि, महंगाई लगातार केंद्रीय बैंक के संतोषजनक स्तर छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। जिसकी वजह से चिंताएं बढ़ रही हैं। रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बुलेटिन में यह कहा गया है।

■ मुख्य मुद्रास्फीति में तो नरमी है लेकिन खुदरा महंगाई बढ़ी
■ पहली तिमाही में रहा है बेहतर प्रदर्शन
■ वैश्विक पुनरुद्धार की रफ्तार पड़ रही मंद
■ इंडियन इकोनामी पकड़ रही है रफ्तार
■ घरेलू खपत से की जा रही निर्यात में आई गिरावट की भरपाई
■ अनाज और दालों के दामों में लगातार देखी जा रही है तेजी

मुख्य रूप से टमाटर समेत सब्जियों और अन्य खाने का सामान महंगा होने से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई में उछलकर 7.44 प्रतिशत पहुंच गयी, जो इससे पिछले महीने में 4.87 प्रतिशत थी। बुलेटिन में लिखा गया है, 'जहां मुख्य (कोर) मुद्रास्फीति में नरमी है, वही खुदरा महंगाई दर दूसरी तिमाही में औसतन छह प्रतिशत से ऊपर रहने की आशंका है।' मुख्य मुद्रास्फीति में अत्यधिक उतार-चढ़ाव वाली खाद्य और ऊर्जा कीमतों को शामिल नही किया जाता।

केंद्रीय बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत (दो से छह प्रतिशत के बीच) पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। लेख में यह भी कहा गया है कि औद्योगिक उत्पादन और व्यापार में नरमी से पहली तिमाही के मजबूत प्रदर्शन के बाद वैश्विक पुनरुद्धार धीमा हो रहा है। इसमें लिखा गया है, 'वैश्विक माहौल में दबाव के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था 2023-24 की दूसरी तिमाही में गति पकड़ रही है।' निर्यात के कारण जो गिरावट है, उसकी भरपाई निजी खपत और स्थिर निवेश जैसे घरेलू कारक कर रहे हैं। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने पिछले सप्ताह पेश द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा में चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिये आर्थिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान बरकरार रखा है।

हाल में खाने के सामान के दाम चढ़ने से मुद्रास्फीति के अनुमान को 0.3 प्रतिशत बढ़ाकर 5.4 प्रतिशत कर दिया गया है। लेख के अनुसार, अब तक (14 अगस्त तक) खाद्य वस्तुओं की कीमतों के जो आंकड़े है, वे बताते है कि अनाज और दाल के दाम में अगस्त में लगातार तेजी रही है। आरबीआई बुलेटिन में प्रकाशित इस लेख को केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल देबव्रत पात्रा की अगुवाई वाली टीम ने लिखा है।

रिजर्व बैंक ने साफ किया है कि लेख में जो विचार दिये गए है, वह लेखकों के है और वह आरबीआई के विचारों का प्रतिनिधित्व नही करते है।

भारत में निवेश व व्यापार के लिए नया रास्ता बनाएगी जी 20 मंत्रिस्तरीय बैठक

■ वैश्विक व्यापार और निवेश से संबंधित मुद्दों पर आम सहमति बनाने पर होगा विचार विमर्श

नई दिल्ली।

व्यापार व निवेश से संबधित जी 20 की मंत्रिस्तरीय बैठक जहां भारत में निवेश व व्यापार का नया रास्ता बनायेगी वहीं इस व्यापार व निवेश से संबधित वैश्विक मुददों पर भी आम सहमति बनाने की कोशिश की जायेगी। बैठक को लेकर जो प्राथमिकताएं तय की गई है उन्हें देखते हुए निश्चित रूप से यह बैठक भारतीय सूक्ष्म, मध्यम व लघु उद्योगों को वैश्विक स्तर पर मंच दिलाने में भी कारगर साबित होगी।

जी 20 व्यापारऔर निवेश संबधी मंत्रिस्तरीय बैठक 24 व 25 अगस्त को जयपुर में होनी है, वैश्विक स्तर पर व्यापारिक रिश्तों के मददेनजर भारत के लिये तो यह बैठक महत्वपूर्ण है ही, साथ ही जी 20 देशों के लिये भी यह बैठक इसलिये महत्वपूर्ण है क्योंकि इस बैठक के जरिए जी 20 देशों को विश्व व्यापार संगठन से जुड़े कुछ वैश्विक मुददों पर चर्चा का भी अवसर मिलेगा और वह कुछ अहम मुददों पर सहमति बनाकर भविष्य में सामूहिक रूप से वैश्विक मंचों पर अपने हितों को लेकर दबाव बना सकेंगे। इस बैठक में जी 20 सदस्य देशों, आमंत्रित देशों, क्षेत्रीय समूहों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के व्यापार मंत्रियों सचिवों और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों सहित 300 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

जी 20 के लिये व्यापार व निवेश से संबधित पांच प्राथमिकता वाले मुददे तय किये गये हैं जिनमें विकास और समृद्धि के लिए व्यापार, लचीला व्यापार और वैश्विक मूल्य श्रृंखला, विश्व व्यापार में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों एमएसएमई को एकीकृत करना तथा व्यापार के लिए लॉजिस्टिक्स और विश्व व्यापार संगठन डब्ल्यूटीओ में सुधार शामिल हैं। उक्त मुददों पर पिछली दो बैठकों में व्यापक चर्चा हो चुकी है और जी 20 देशों से मिले सुझावों के आधार पर कुछ प्रस्ताव तैयार किये गये हैं, उम्मीद की जा रही कि पिछली बैठकों में लिये गये निर्णायों के आधार पर तैयार किये गये प्रस्तावों को इस बैठक में हरी झण्डी दी जायेगी।

इस बैठक में सदस्यों देशों के कई प्रमुख उद्यमी भी शामिल हो रहे हैं, भारतीय उद्यमियों के लिये उनसे रिश्ते बनाने का भी यह एक बड़ा अवसर है। उम्मीद की जा रही है कि बैठक के साथ जो सत्र आयोजित किये जायेंगे उनसे भारतीय उद्यमियों को भी नये अवसर मिलेंगे। एमएसएमई के सामने वैश्विक स्तर पर जो चुनौतियां हैं उन पर भी इस बैठक में चर्चा होगी और एमएसएमई के लिये अनुकूल वातावरण बनाने में मदद मिलेगी। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल कहते हैं कि जी 20 की यह बैठक भारत में निवेश व व्यापार को लेकर निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। डीपीआईआईटी सचिव राजेश कुमार के अनुसार इस बैठक में द्विपक्षीय मुददों पर तो चर्चा नहीं होगी लेकिन विश्व व्यापार संगठन से जुड़े मुददों पर सदस्य देश चर्चा अवश्य करेंगे।

कचरे से हर साल पैदा हो सकती है 65 हजार मेगावाट बिजली

नई दिल्ली (भाषा)। देशभर में कचरे का उपयोग कर सालाना 65,000 मेगावाट बिजली पैदा की जा सकती है। यह 2030 तक 1.65 लाख मेगावाट और 2050 तक 4.36 लाख मेगावाट तक पहुंच सकता है। विशेषज्ञों ने यह बात कही है। हाल में आयोजित अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े विशेषज्ञों की दो दिन की कार्यशाला में श्वेत पत्र तैयार किया गया। इसमें कहा गया है कि देश में हर साल 6.5 करोड़ टन कचरा पैदा होता है और इसके 2030 तक बढ़कर 16.5 करोड़ टन तथा 2050 तक 43.6 करोड़ टन होने का अनुमान है।

दस्तावेज के अनुसार, नगरपालिका क्षेत्र में लगभग 75-80 प्रतिशत कचरे को एकत्र किया जाता है और इसमें से केवल 22 से 28 प्रतिशत का प्रसंस्करण किया जाता है और दूसरे कार्यों में उपयोग में लाया जाता है। कार्यशाला में इंटरनेशनल क्लाइमेट चेंज एंड सस्टेनेबिलिटी एक्शन फाउंडेशन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, आईएसएम (धनबाद), टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) के विशेषज्ञों और उद्योग के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान विशेषज्ञों ने कूड़ा डालने के स्थान पर बढ़ते कचरे के निपटान के लिये तौर-तरीकों पर चर्चा की।

कंपनियों के लिए माल भंडार के मूल्यांकन फार्म का मसौदा जारी

नई दिल्ली (भाषा)।

आयकर विभाग ने विभिन्न श्रेणियों की कंपनियों के लिए इक्विटी, ऋण प्रतिभूतियों, कच्चे माल समेत उपलब्ध सभी सामान के लागत लेखाकार के जरिए आकलन को लेकर फॉर्म का मसौदा जारी किया है।

कर अधिकारियों को इस वित्त वर्ष से उनके समक्ष लंबित कार्यवाही के किसी भी चरण में लागत लेखाकार से समूचे सामान (इन्वेन्ट्री) के मूल्यांकन के लिये आदेश देने का अधिकार दिया गया है। यदि कर अधिकारी को खातों में विभिन्न लेन-देन या व्यावसायिक गतिविधियों की विशेष प्रकृति के बारे में संदेह है तो वह मूल्यांकन का आदेश दे सकता है।

सब्सिडी घटने से कम हुए ई-दुपहिया के कद्रदान

■ फेम योजना के तहत दी जा रही थी यह सब्सिडी ■ अब ई-दुपहिया की लागत घटाने पर ध्यान जरूरी

मुंबई (भाषा)। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खरीद पर दी जाने वाली 'फेम' सब्सिडी घटने के बाद दुपहिया ईवी की मांग सुस्त पड़ गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वाहन कंपनियों को अब शोध एवं विकास (आरएंडडी) के माध्यम से कीमत कम करने पर ध्यान देना होगा।

'केयर रेटिंग' द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न कारणों से दुपहिया वाहनों (ईवी समेत) के लिए मध्यम अवधि में बिक्री कम रहने की आशंका है।

रिपोर्ट के अनुसार, दुपहिया वाहनों के मुख्य खंड विशेष रूप से 75 सीसी से 110 सीसी की बाइक और 75 सीसी से 125 सीसी के स्कूटर की बिक्री में वित्त वर्ष 2018-19 से 2021-22 में बड़ी गिरावट देखी गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष में इसमें कुछ सुधार देखा गया।

रिपोर्ट में कहा गया कि इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहनों की बिक्री में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भी बड़ी गिरावट आई जब सरकार द्वारा मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) के लिए सब्सिडी 'फेम' को दिया गया।

रिपोर्ट में कहा गया कि सब्सिडी 15,000 किलोवाट घंटा से घटाकर 10,000 किलोवाट घंटा करने और फैक्टरी कीमत पर पूर्व में 40 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत करने से दुपहिया वाहन बिक्री में अनिश्चितता आई है।

90 मीटर लक्ष्य, नीरज के पास सारे पदक, बस वर्ल्ड चैंपियन बनना बाकी

90 मीटर दूरी का लक्ष्य लिए भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा की पदकों की अलमारी में सिर्फ विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण की कमी है। अब इस सुपरस्टार खिलाड़ी की निगाहें शनिवार से शुरु होने वाली इस प्रतियोगिता में इसी कमी को पूरा करने पर लगी हैं। चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक 2021 में स्वर्ण पदक जीता। 2018 में एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद वह पिछले साल डायमंड लीग चैंपियन भी बन गए।

एजेंसी ▶▶ बुडापेस्ट

नीरज चोपड़ा ने अमेरिका में 2022 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था और वह इस बार यहां स्वर्ण पदक के दावेदारों में शुमार होंगे क्योंकि किसी भी प्रतिभागी को भी यहां प्रबल दावेदार नहीं कहा जा सकता। अगर चोपड़ा विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लेते हैं तो वह निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप की व्यक्तिगत स्पर्धा में पीला तमगा जीतने वाले दूसरे भारतीय बन जाएंगे। बिंद्रा 2008 में व्यक्तिगत स्पर्धा का ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे, उन्होंने 2006 में जगरेब में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया था।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आगाज आज

90 मीटर की दूरी पार करने के करीब

भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी और ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा पिछले कुछ समय से 90 मीटर की दूरी पार करने का प्रयास कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि वह यह लक्ष्य हासिल करने के करीब हैं और उन्हें इसके लिए केवल अनुकूल परिस्थितियों की जरूरत है। तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा पिछले साल 90 मीटर की दूरी तक भाला फेंकने के बेहद करीब पहुंच गए थे। तब उन्होंने स्टॉकहोम में डायमंड लीग प्रतियोगिता में 89.94 मीटर भाला फेंका था।

लंबी कूद से पदक की आस

अन्य स्पर्धाओं में पुरुषों की लंबी कूद से पदक की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता जिसमें जेस्विन एल्ड्रिन (8.42 मीटर) और मुरली श्रीशंकर (8.41 मीटर) इस सत्र में विश्व सूची की अगुआई कर रहे हैं।

एल्ड्रिन ने मार्च के शुरु में बेलारी में शानदार कूद लगाई लेकिन इसके बाद से वह आठ मीटर को छूने में जूझ रहे हैं। उन्होंने स्विट्जरलैंड के बर्न में सिटियस प्रतियोगिता 8.22 मीटर से जीती थी। श्रीशंकर उनकी तुलना में कहीं ज्यादा निरंतर रहे हैं। उन्होंने जून में भुवनेश्वर में 8.41 मीटर से व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और वह बैंकॉक एशियाई चैम्पियनशिप में 8.37 मीटर की कूद (रजत पदक) के बाद विश्व चैंपियनशिप में प्रवेश कर रहे हैं।

साबले बेस्ट प्रदर्शन को तैयार

पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेस में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी अविनाश साबले स्टार सुसज्जित खिलाड़ियों में शीर्ष स्तरीय प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे। वह शनिवार को हीट में उतरेंगे। भारत का अभियान पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल से शनिवार को शुरु होगा जिसमें आकाशदीप सिंह, विकास सिंह और परमजीत सिंह हिस्सा लेंगे, हालांकि उनसे पदक की आस नहीं है। प्रतियोगिता के पहले दिन शैली सिंह महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में हिस्सा लेंगी जबकि अजय कुमार सरोज पुरुषों की 1500 मीटर हीट में उतरेंगे। पुरुषों की त्रिकूद स्पर्धा के क्वालीफिकेशन में तीन भारतीय प्रवीण चित्रावेल, अब्दुल्ला अबुबाकर और एल्डोस पॉल हिस्सा लेंगे।

जेना को मिला हंगरी का वीजा

भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना को 19 से 27 अगस्त तक बुडापेस्ट में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए शुक्रवार को हंगरी की यात्रा के लिए वीजा मिल गया। इस खबर की पुष्टि करते हुए भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के एक सूत्र ने कहा कि शुक्रवार सुबह उनके साक्षात्कार के बाद वीजा को मंजूरी दे दी गई है। उन्हें कुछ समय के बाद यात्रा संबंधी दस्तावेज मिल जाएंगे। बुधवार को भारत में हंगरी के दूतावास ने जेना का वीजा आवेदन रद्द कर दिया।

खबर संक्षेप

राहुल ने की बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग

बेंगलुरु। केएल राहुल ने शुक्रवार को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में मैच की परिस्थितियों के अनुसार अभ्यास के दौरान काफी देर तक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए अपनी तत्परता दिखाई जो एशिया कप और वनडे विश्व कप से पहले भारत के लिए मनोबल बढ़ाने वाली खबर है। इसे देखते हुए पूरी संभावना है कि राहुल एशिया कप के लिए श्रीलंका की यात्रा कर सकते हैं जिसके लिए भारतीय टीम का चयन 21 अगस्त को होगा।

मैराथन में भाग लेंगे 20 हजार एथलीट

मुंबई। देशभर के 20,000 से अधिक एथलीट रविवार को यहां होने वाली मुंबई हाफ मैराथन के विभिन्न वर्गों में भाग लेंगे। प्रतियोगिता के छह सत्रों में यह पहला अवसर है जबकि इतने अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया है। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर बांद्रा कुर्ला परिसर में जिओ गार्डन से सभी वर्गों की दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। प्रतिष्ठित हाफ मैराथन के लिए पुरुष और महिला वर्ग में 5100 से अधिक एथलीटों ने पंजीकरण कराया है। इसके अलावा 10 किमी दौड़ के लिए 9000 और पांच किमी दौड़ के लिए 5900 एथलीटों ने पंजीकरण कराया है।

ट्रांसजेंडर महिलाओं पर लगाया प्रतिबंध

जेनेवा। विश्व शतरंज की सर्वोच्च संस्था फिडे ने अपना लिंग परिवर्तन कराकर पुरुष से महिला बने यानि ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों पर महिला प्रतियोगिताओं में भाग लेने से प्रतिबंध लगा दिया है। फिडे ने कहा है कि जब तक उसके अधिकारी लिंग परिवर्तन की समीक्षा नहीं कर लेते तब तक ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिला प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेने दिया जाएगा। उसके इस फैसले की ट्रांसजेंडर अधिकारों के समर्थकों ने कड़ी आलोचना की है।

महिला सब जूनियर कोर ग्रुप का चयन

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने राउरकेला में 21 अगस्त से शुरू होने वाले राष्ट्रीय शिविर के लिए शुक्रवार को 40 सदस्यीय महिला सब जूनियर कोर ग्रुप गठित किया। यह शिविर पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। हॉकी इंडिया ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा कि खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय सब जूनियर चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में लगाए जाने वाले इस शिविर के बाद भारतीय टीम अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलने के लिए यूरोप का दौरा करेगी।

टी20 : तीन मैचों की श्रृंखला में बनाई 1-0 से बढ़त

भारत ने डकवर्थ लुईस प्रणाली से आयरलैंड को 2 रन से हराया

एजेंसी ▶▶ डबलिन

लंबे समय बाद वापसी कर रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने वर्षाबाधित पहले टी20 मैच में आयरलैंड को डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर दो रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली।

करीब एक साल बाद चोट के बाद टीम में लौटे बुमराह ने 24 रन देकर दो विकेट लिए जबकि पहला टी20 मैच खेल रहे प्रसिद्ध कृष्णा ने 32 रन देकर दो विकेट चटकाए। आयरलैंड ने आठवें नंबर के बल्लेबाज बैरी मैकार्थी के नाबाद अर्धशतक की मदद से सात विकेट पर 139 रन बनाए। मैकार्थी ने 33 गेंद में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 51 रन की नाबाद पारी खेली। भारतीय कप्तान बुमराह ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। आयरलैंड ने 11वें ओवर में छह विकेट 59 रन पर गंवा दिए थे लेकिन इसके बाद कुर्टिस कैम्फर (39) और मैकार्थी ने सातवें विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी की। मैकार्थी ने अपना पहला अर्धशतक अर्शदीप को आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर पूरा किया।

भारतीय ओपनरों की शानदार साझेदारी

जीत के लिए 140 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के लिए यशस्वी जायसवाल (23 गेंद में 24 रन) और ऋतुराज गायकवाड़ (नाबाद 19) ने 6.2 ओवर में 46 रन जोड़े। क्रेग यंग ने हालांकि जायसवाल और तिलक वर्मा (0) को पवेलियन भेजकर भारत को दोहरे झटके दिए थे। बारिश रूकती नहीं देखकर अंपायरों ने स्थानीय समयानुसार छह बजकर 15 मिनट पर खेल रद्द करने का फैसला किया। दूसरा टी20 रविवार को यहां खेला जाएगा।

रिंकू, कृष्णा ने किया डेब्यू

रिंकू सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा को कप्तान जसप्रीत बुमराह ने डेब्यू कैप दी। बुमराह ने करीब 11 महीने बाद कोई इंटरनेशनल मैच खेला।

स्कोर बोर्ड

आयरलैंड	रन	गेंद	4	6
एंडी बालबर्नी बो बुमराह	04	02	1	0
पॉल स्टर्लिंग बो बिश्नोई	11	11	1	0
टकर का सैमसन बो बुमराह	00	03	0	0
हैरी टेक्टर का वर्मा बो कृष्णा	09	16	1	0
कुर्टिस कैम्फर बो अर्शदीप	39	33	3	1
जॉर्ज का गायकवाड़ बो कृष्णा	01	03	0	0
एडेयर पगबाधा बो बिश्नोई	16	16	2	0
बैरी मैकार्थी नाबाद	51	33	4	4
क्रेग यंग नाबाद	01	04	0	0

अतिरिक्त : 07, कुल : 20 ओवर में 139/7
गेंदबाजी : बुमराह 4-0-24-2, अर्शदीप 4-0-35-1, कृष्ण 4-0-32-2, बिश्नोई 4-0-23-2, दुबे 1-0-6-0, सुंदर 3-0-19-0.

भारत	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का स्टर्लिंग बो यंग	24	23	3	1
ऋतुराज गायकवाड़ नाबाद	19	16	1	1
तिलक का टकर बो यंग	00	01	0	0
संजू सैमसन नाबाद	01	01	0	0

अतिरिक्त : 03, कुल : 6.5 ओवर में 47/2
गेंदबाजी : एडेयर 1-0-10-0, लिटिल 3-0-20-0, मैकार्थी 2-0-14-0, यंग 0.5-0-2-2.

ईशा और शिवा बने वर्ल्ड चैंपियन टर्कीश जोड़ी को 16-10 से हराया

विश्व चैंपियनशिप : दो पदकों के साथ दूसरे स्थान पर भारत

एजेंसी ▶▶ बाकू

निशानेबाज ईशा सिंह और शिवा नरवाल ने शुक्रवार को यहां आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय खेमे को खुश कर दिया।

इस भारतीय जोड़ी ने स्पर्धा के फाइनल में तुर्की की इलायडा तरहान और यूसुफ डिकेच की जोड़ी को 16-10 से पराजित कर देश के पदकों की संख्या दो कर दी। भारत इस समय एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर तालिका में दूसरे स्थान पर चल रहा है जबकि चीन पांच स्वर्ण और दो कांस्य पदक से शीर्ष पर काबिज है।

भारतीयों ने क्वालीफिकेशन दौर में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें ईशा ने 290 और नरवाल ने 293 अंक जुटाए। उनका कुल स्कोर 583 रहा जिससे उन्हें क्वालीफिकेशन दौर में शीर्ष पर रहने में मदद मिली और तुर्की की जोड़ी 581 के कुल स्कोर से दूसरे स्थान पर रही। चीन और ईरान ने समान 580 अंक जुटाए लेकिन 'इनर 10' की बदौलत चीन तीसरे स्थान से फाइनल के लिए क्वालीफाई हुआ।

कार्लोस और इगा की संघर्षपूर्ण जीत

मेसन। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज और इगा स्वियातेक ने वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अल्कराज ने बारिश से बाधित मैच में अमेरिका के 14वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल को तीन घंटे नौ मिनट तक चले मैच में 7-6 (6), 6-7 (0), 6-3 से हराया। स्पेन के इस खिलाड़ी ने दूसरे सेट में तीन मैच प्वाइंट गंवाने के बाद वापसी की। महिला वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी स्वियाटेक ने बुधवार को वीनस विलियम्स को हराने वाली चीन की झेंग क्विवेन पर 3-6, 6-1, 6-1 से जीत दर्ज की। इगा का अगला मुकाबला चेक गणराज्य की 10वीं वरीयता प्राप्त मार्केटा वोंद्रोसोवा से होगा जिन्होंने अमेरिका की सलोनी स्टीफंस को 7-5, 6-3 से पराजित किया। इस बीच पुरुष और महिला वर्ग में उलटफेर भी देखने को मिले।

इंटर मियामी से जुड़कर बहुत खुश हूं : मेसी

एजेंसी ▶▶ फोर्ट लॉडरडेल

अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी से जुड़ने के बाद पहली बार सार्वजनिक बयान देते हुए कहा कि वह अमेरिका के इस क्लब से जुड़कर बहुत खुश हैं।

जब से यह स्टार फुटबॉलर इंटर मियामी से जुड़ा है तब से प्रतिद्वंदी खिलाड़ियों से लेकर फुटबॉल प्रशंसकों के बीच केवल मेसी को लेकर चर्चा हो रही है। मेसी ने कहा, 'शुरुआत से ही मेरे यहां पहुंचने के बाद हमारा जबरदस्त स्वागत किया गया। आज मैं आपसे कह सकता हूं कि मैंने जो फैसला किया उससे मैं बहुत खुश हूं। मैं यहां खेलने और फुटबॉल का आनंद लेने के लिए आया हूं।'

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन को 6-2 से हराया

डसेलडोर्फ। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शुक्रवार को यहां पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्पेन के खिलाफ 6-2 की रोमांचक जीत से चार देशों के टूर्नामेंट में अपना अभियान शुरु किया। रोहित ने 28वें और 45वें मिनट में और सुदीप चिरमाको ने 35वें और 58वें मिनट में दो दो गोल दागे जबकि अमनदीप लकड़ा ने 25वें मिनट और बॉबी सिंह धामी ने 53वें मिनट में भारत के लिए एक एक गोल किया। स्पेन की ओर से निकोलस अल्वारेज ने पहले और गुईयू कोरोमिनास ने 23वें मिनट में एक एक गोल किया। भारत अब शनिवार को मेजबान जर्मनी से भिड़ेगा।

पंघाल ने रचा इतिहास, सविता को भी स्वर्ण

एजेंसी ▶▶ अम्मान

अंतिम पंघाल शुक्रवार को इतिहास रचते हुए लगातार दो बार अंडर 20 विश्व खिताब जीतने वाली भारत की पहली महिला पहलवान बन गई जिसने यहां 53 किलोवर्ग में खिताब अपने नाम किया । सविता ने भी 62 किलोवर्ग में खिताब जीता और भारतीय महिला टीम ने इस खेल के इतिहास में पहली बार विश्व चैंपियनशिप टीम खिताब अपने नाम किया। प्रिया मलिक ने गुरुवार को 76 किलोवर्ग में खिताब जीता था। भारत के सात पहलवानों ने इस बार पदक जीता है जिनमें तीन स्वर्ण शामिल हैं। अंतिम कुंडू (65 किलो) ने रजत और रीना (57 किलो) , आरजू (68 किलो) और हर्षिता (72 किलो) ने कांस्य पदक जीते।

हरियाणा के हिसार की रहने वाली पंघाल ने यूक्रेन की मारिया येफ्रेमोवा को 4-0 से हराकर खिताब जीता। उसने पूरे टूर्नामेंट में इतना जबर्दस्त प्रदर्शन किया कि सिर्फ दो अंक गंवाए। उसने साबित कर दिया कि एशियाई खेलों के ट्रायल के लिये विनेश फोगाट को चुनौती देना अति आत्मविश्वास नहीं था। पिछले साल वह जूनियर विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थी और अब सीनियर स्तर पर भी खेलती हैं। अपनी फुर्ती और दिमाग के जबर्दस्त इस्तेमाल से उसने विरोधी के पैर पर लगातार हमले बोले। दाहिने पैर पर हमला बोलकर उसने विरोधी को चित कर दिया।

थिरिमाने का क्रिकेट से संन्यास मंजूर

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि बाएं हाथ के बल्लेबाज लाहिरु थिरिमाने का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास स्वीकार कर लिया गया है। जनवरी 2010 में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले 34 वर्षीय थिरिमाने ने सोशल मीडिया के जरिए जुलाई में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर से अलविदा कहने की घोषणा की थी। श्रीलंका क्रिकेट ने कहा, 'श्रीलंका क्रिकेट की कार्यकारी समिति ने लाहिरु थिरिमाने का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से अलविदा कहने के फैसले को स्वीकार लिया है।'

अन्य एनाबोलिक एजेंट / एसएआरएमएस' वाडा द्वारा प्रतिबंधित पदार्थ

नाडा के चार साल के प्रतिबंध को चुनौती देंगी दुती चंद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एशियाई खेलों में दो रजत पदक जीतने वाली महिला एथलीट दुती चंद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी द्वारा उन पर लगाए गए चार साल के प्रतिबंध को चुनौती देंगी। वह नाडा की टूर्नामेंट के इतर प्रतिबंधित पदार्थ की डोप जांच में विफल रही थीं। 27 साल की दुती पर गुरुवार को प्रतिबंध लगाया गया था।

इस 100 मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एथलीट के दो नमूनों में 'अन्य एनाबोलिक एजेंट / एसएआरएमएस' मौजूद थे जो वाडा की 2023 प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल हैं। ये नमूने पांच और 26 दिसंबर को लिए गए थे और दोनों ही एक समान पदार्थ के पॉजिटिव पाए गए थे। 'एसएआरएमएस' (सलेक्टिव एंड्रोजन रिसेप्टर मोड्यूलेटर) ऐसे 'नॉन स्टेराइड' पदार्थ हैं जिन्हें आमतौर पर आस्टियोपोरोसिस, अनीमिया और मरीजों में जख्मों से उबरने के लिए किया जाता है। दुती पर लगा प्रतिबंध इस साल तीन जनवरी से प्रभावी होगा और पांच दिसंबर 2022 को लिए गए पहले नमूने की इस तारीख से उनके सभी प्रतिस्पर्धी नतीजे हटा दिए जाएंगे। दुती ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 100 मीटर और 200 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीती थी और उनके नाम 2021 से 100 मीटर में 11.17 सेकेंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

अनजाने में लिया प्रतिबंधित पदार्थ

गोस्वामी ने कहा, 'हमारे लिए यह मामला स्पष्ट तौर पर अनजाने में प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का है। हम इस पदार्थ का स्रोत भी स्पष्ट रूप से जान पाए जो पूरी तरह से उनके इरादे का ठोस सबूत है। इस पदार्थ का इस्तेमाल कभी भी खेल में फायदा उठाने के लिए नहीं किया गया था। हम अपील दायर करने की प्रक्रिया में हैं। हमें उम्मीद है कि हम अपीलीय पैनल को यह बात समझाने में सफल रहेंगे।' दुती भारत का गौरव हैं और वह पूरी तरह से 'क्लीन एथलीट' हैं। एक दशक के चमकदार करियर के दौरान दुती अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर कई डोप जांच से गुजर चुकी हैं और इतने लंबे करियर में वह कभी भी डोप के मामले में पॉजिटिव नहीं आयीं।'

फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह से लिया दवाई

एथलीट और उनके वकील ने प्रस्तुत किया कि यह फिजियोथेरेपिस्ट पुलेला गोपीचंद अकादमी का था जहां यह खिलाड़ी विशेष अनुमति के अंतर्गत ट्रेनिंग ले रही थीं। दुती के वकील ने यह भी प्रस्तुत किया कि यह खिलाड़ी 'हाइपरएंड्रोजनिक' से पीड़ित थी जिसके कारण उनके 'पेट में काफी तेज दर्द' था जिसके लिए ही यह उपचार किया गया था। एडीडीपी ने कहा कि एथलीट ने दवाई खरीदने के लिए अपने दोस्त की मदद ली जो इस मामले में गवाह भी हैं।

खबर संक्षेप

एससीईआरटी के संचालक से मिला छत्तीसगढ़ी छात्र संगठन

रायपुर। एमए छत्तीसगढ़ी के डिग्रीधारी छात्रों ने शुक्रवार को एससीईआरटी के संचालक जीआर राणा से मुलाकात की। इस अवसर पर एमए छत्तीसगढ़ी के छात्रों ने टीचर भर्ती में छत्तीसगढ़ी डिग्रीधारियों को प्राथमिकता दिए जाने के संबंध में चर्चा की। छत्तीसगढ़ी छात्र संगठन के अध्यक्ष ऋतुराज साहू ने संचालक श्री राणा को बताया की रविशंकर विवि में एमए छत्तीसगढ़ी विषय 2013 से पढ़ाया जा रहा है। इसमें सैकड़ों छात्र पासआउट हो चुके हैं और रोजगार के लिए भटक रहे हैं। इन डिग्रीधारियों के लिए रोजगार व्यवस्था विभाग के माध्यम से करने की मांग संगठन ने की। भेंट करने वालों में अविनाश यादव, अंजना चंद्रवंशी, यामिनी, रोहित यदु , जिनेंद्र यादव समेत छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भाठागांव बस टर्मिनल में ध्वजारोहण

रायपुर। बस टर्मिनल भाठागांव एवं (सोनझरापार) टिकरापारा में हर्षोल्लास के साथ स्वाधीनता दिवस पर तिरंगा फहराया गया। टिकरापारा में हुए कार्यक्रम में बच्चों को अध्ययन सामग्री वितरित कर शिक्षा के माध्यम से स्वाधीनता कैसे प्राप्त हुई समझाया गया। प्रभात मिश्र ने बस टर्मिनल भाठागांव मे ठेला गुमटी संचालकों को संबोधित कर स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएं दी।

कांग्रेस सरकार से जनता पूरी तरह त्रस्त

केदार कश्यप ने कहा- हार कर बैज को ही बनाया जाएगा बलि का बकरा

रायपुर

भाजपा महामंत्री केदार कश्यप ने कहा, भाजपा प्रत्याशियों की पहली सूची जारी होने के बाद कांग्रेस का खेमा जिस प्रकार प्रलाप कर रहा है, उससे यह आईने की तरह साफ हो गया है कि भाजपा के 21 योद्धाओं की प्रथम पंक्ति को देखकर पूरी कांग्रेस सदमे में चली गई है। गुटबाजी और अंतर्द्वंद्व से जूझ रही कांग्रेस अभी टिकट के दावेदारों से आवेदन ही जमा करने में लगी है और भाजपा ने जनता के आशीर्वाद से अपने 21 प्रत्याशियों की पहली सूची भी जारी कर दी। श्री कश्यप ने कहा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज भाजपा सांसद विजय बघेल को बलि का बकरा बता रहे हैं, जबकि खुद तीन महीने के लिए अध्यक्ष बनकर अपनी राजनीतिक हैसियत से अनजान हैं। बलि का बकरा कौन बनेगा, यह तो सांसद बघेल और भाजपा की शानदार जीत के बाद साफ होगा। कांग्रेस की शर्मनाक हार का ठीकरा फोड़ते हुए कांग्रेस अध्यक्ष बैज को ही बलि का बकरा बनाया जाएगा। श्री कश्यप ने कहा, अपनी इस राजनीतिक बलि के चलते चुनावी हार की जिम्मेदारी लेकर श्री बैज को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ेगा और श्री बैज सबसे कम समय तक रहने वाले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर जाने जाएंगे।

श्री कश्यप ने कहा, कांग्रेस के लोगों को इस बात का जरा भी इल्म नहीं है कि कांग्रेस सरकार से जनता पूरी तरह त्रस्त हो गई है और बस अपने मताधिकार के प्रयोग की राह देख रही है, ताकि प्रदेश की भ्रष्टाचार करने वाली, वादाखिलाफी करने वाली, युवाओं को साथ खुले तौर पर छल करने वाली, महिलाओं की सुरक्षा और उन्नति को पलीता लगाने वाली, गरीबों का हक मारने वाली, किसानों के आत्मसम्मान को लहूलुहान करके आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाली कांग्रेस सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंके। श्री कश्यप ने कहा, भाजपा उम्मीदवारों की जमानत जब्त होने के खयाली पुलाव पकाती कांग्रेस को अपनी नियति का ही पता नहीं है। वैचारिक और राजनीतिक दरिद्रता से जूझती कांग्रेस अपनी खीझ छिपाने के लिए इस तरह के बयानों से अपना दिल बहला रही है।

बैज बोले- कामकाज के दम पर प्रदेश में फिर बनेगी कांग्रेस की सरकार

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा, 2023 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी। मरोसे का सम्मेलन और संभागीय सम्मेलनों के बाद विधानसभा स्तर पर होने वाले सम्मेलनों को पूरा करने के बाद पार्टी अब अपने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन संकल्प शिविर कर रही है। रायपुर, बस्तर संभागों में संकल्प शिविर कार्यक्रम प्रगति पर है। संकल्प शिविरों में कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं को अपनी नीतियों और योजनाओं का प्रशिक्षण देकर जनता के बीच भेजेगी। हमारी तैयारी बूथों तक पूरी हो चुकी है। हमारे संगठन की मजबूती और सरकार के जनकल्याण कार्यों का मुकाबला करने में विपक्ष पूरी तरह नाकामयाब है। श्री बैज ने कहा, आने वाले चुनाव में कांग्रेस सरकार के काम और जनकल्याणकारी योजनाएं कांग्रेस सरकार का ब्रह्मास्त्र होगी। भाजपा के पास कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए कोई मुद्दा नहीं है। भाजपा हवा हवाई और काल्पनिक मुद्दों पर प्रदेश में राजनीति करना चाह रही, जिसके कारण वह जनता से और दूर होती जा रही है। 2018 के विधानसभा चुनाव में दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाने के बाद कांग्रेस के प्रति जनता का भरोसा और बढ़ता गया। 5 उपचुनाव, नगरीय निकाय चुनाव, पंचायत चुनावों में जनता ने भाजपा को नकार दिया है। भाजपा कार्यकर्ताओं में हताशा है, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह है। श्री बैज ने कहा, भाजपा ने 21 उम्मीदवारों की आनन-फानन में सूची जारी करके यह बता दिया कि उसके पास योग्य उम्मीदवारों का अकाल है तथा वह मुद्दों के दिवालियेपन के साथ योग्य उम्मीदवारों का भी अभाव है।

भाजपा नेता बोले- कांग्रेस की घोषणापत्र समिति में घोटालेबाजों की भरमार

रायपुर

भारतीय जनता पार्टी घोषणा पत्र समिति के सहसंयोजक अमर अग्रवाल व शिवरतन शर्मा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा चुनाव घोषणापत्र समिति की घोषणा करने पर कहा, छत्तीसगढ़ कांग्रेस पर केंद्रीय नेतृत्व को भरोसा नहीं है, इसलिए दिल्ली से घोषणापत्र समिति की घोषणा करने विवश होना पड़ा।

भाजपा नेताओं ने कहा, पिछले चुनाव में सफल जन घोषणापत्र देने वाले टीएस सिंहदेव इस बार घोषणापत्र समिति से बाहर हैं, क्योंकि उन्होंने जो वादे कांग्रेस की ओर से किए थे, उनको भूपेश बघेल ने कचरे की टोकरी में डाल दिया। वे जनता का सामना करने लायक नहीं रहे, तो कांग्रेस इस बार मोहम्मद अकबर को सामने ले आई। सिंहदेव गधे के सिर से सींग की तरह गायब क्यों हो गए? अब इन पर जनता कैसे भरोसा कर सकती है। टीएस सिंहदेव खुद स्वीकार कर चुके हैं कि 36 में से 24 वादे पूरे नहीं हुए। 12 वादों को तो छुआ तक नहीं गया। वे कबूल कर रहे हैं कि जन घोषणापत्र पर अमल नहीं हुआ। इससे आगामी चुनाव के लिए कांग्रेस की घोषणापत्र समिति के औचित्य का कोई सवाल नहीं रह गया। पहले पिछली घोषणाओं पर कांग्रेस छत्तीसगढ़ की जनता को हिसाब दे। श्री अग्रवाल व श्री शर्मा ने कहा, काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। एक बार चढ़ गई और भूपेश बघेल की सरकार उसे जला चुकी है। इसके साथ ही जनता को दिखाए गए सारे सब्जबाग भी जल चुके हैं। कांग्रेस और भूपेश बघेल की धोखेबाजी जनता के सामने खुलकर आ चुकी है। सिंहदेव इस उम्मीद में पांच साल चुप रहे कि कांग्रेस उन्हें मुख्यमंत्री बना देगी, लेकिन जब अंत समय में उप मुख्यमंत्री का झुनझुना पकड़ा दिया गया, तो भागते भूत की लंगोटी ही सही वाले अंदाज में यह भूल गए कि जनता से क्या वादे किए थे। जनता के साथ धोखेबाजी में वे भी शामिल हैं।

रिश्वत लेने वाले को भाजपा ने बनाया प्रत्याशी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, भाजपा इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक घोटाले बाजों को बचाने के लिए बैंक के मैनेजर से करोड़ों रुपए रिश्वत लेने वाले राम विचार नेताम को प्रत्याशी बनाकर प्रदेश की जनता को बता दिया कि भाजपा के लिए भ्रष्टाचारी, घोटालेबाज सर्वोपरि है, आम जनता की समस्याओं से उन्हें कोई लेना देना नहीं है। श्री शुक्ला ने कहा, श्री नेताम के परिजनों पर राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र संरक्षित जनजाति पहाड़ी कोरवा की जमीन को कूटरचित दस्तावेज और षड्यंत्र कर अपने नाम में कराने का आरोप है। श्री नेताम ने गृह मंत्री रहते इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक के घोटाले बाजों को बचाने के लिए करोड़ों रुपए की रिश्वत ली थी। उन पर गृहमंत्री रहते नक्सलियों को चंदा देने का आरोप लगा था। ऐसे में भाजपा का यह चरित्र आदिवासी विरोधी है और इंदिरा प्रियदर्शनी बैंक खाताधारकों के जख्मों पर नमक छिड़कने वाला है।

नियुक्ति दिल्ली से होना प्रदेश कांग्रेस की एक और कमजोरी

रायपुर

भाजपा प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कहा, कांग्रेस को जिलाध्यक्षों की सूची भी दिल्ली से जारी करनी पड़ रही है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस अपनी आपसी खींचतान में इतनी कमजोर हो गई कि जिलाध्यक्षों के नाम को राहुल गांधी से फाइनल करवा रहे हैं। श्री ठोकने ने कहा, सत्ता आसीन कांग्रेस पार्टी चुनाव आते बहुत कमजोर नजर आ रही है। भाजपा छत्तीसगढ़ में जहां एक ओर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर रही है वहीं कांग्रेस अभी जिलाध्यक्षों के नाम पर खींचतान कर रही है। श्री ठोकने ने कहा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भाजपा के संगठन में झांकताक करते-करते अपने संगठन के लिए काम करना भूल गए। श्री ठोकने ने कहा, श्री बघेल खुद काम किया नहीं, वहीं कांग्रेसजन को काम करने दिया नहीं। यह दूसरी बार है जब दिल्ली से सूची आई है। इसमें पहले उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के नाम की घोषणा कांग्रेस केन्द्रीय नेतृत्व ने की थी जो कि मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार होता है।

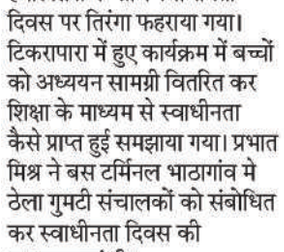

रजनीकांत की मूवी में विलेन बनेंगे अमिताभ

मुंबई। साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत ने अपनी फिल्म 'जेलर' से बॉक्स ऑफिस पर आग लगा दी है। फिल्म ने रिलीज के महज 8 दिनों में ही दुनियाभर में 400 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। इधर, 'जेलर' धमाल मचा रही थी तो उधर रजनीकांत आध्यात्मिक यात्रा के लिए हिमालय चले गए थे। फिर वो मंदिर में दर्शन करने भी पहुंचे। अब वो अपने काम पर वापस लौट आए हैं और अगली फिल्म को लेकर बातचीत शुरू हो चुकी है। रजनीकांत की अगली फिल्म, जिसे 'थलाइवर170' कहा जा रहा है, इसमें वो एक बार फिर पुलिस वाले की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

लाइफ Style

यामी गौतम

एडल्ट सर्टिफिकेट पर दिया जवाब

हिमाचल की रहने वाली यामी गौतम आज के समय में इंडस्ट्री में शानदार काम कर रही हैं। टीवी से फिल्मों का रुख करने वाली यामी गौतम ने 15 साल इंडस्ट्री में बिताए हैं। इन सालों में वह कभी आईपीएस तो कभी वकील तो कभी टीचर बनकर पर्दे पर फैंस को एंटरटेन करती नजर आई हैं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इन दिनों उनकी फिल्म 'ओएमजी 2' थिएटर्स में बढ़िया परफॉर्म कर रही हैं। इस बीच यामी गौतम ने 'ओह माय गॉड 2' पर हुए सर्टिफिकेट बवाल से लेकर अपने कामकाज व पर्सनल लाइफ को लेकर हमारे साथ खास बातचीत की। उन्होंने बहन सुरीली गौतम का भी जिक्र किया। ये फीलिंग बहुत अच्छी है। फैंस को हमारी मेहनत और काम पसंद आ रहा है। कई लोग हैं, जो इस फिल्म से खुद को कनेक्ट भी कर पा रहे हैं और इस मजबूत विषय की तारीफ कर रहे हैं। हां, काम करते-करते आपको ये समझ आने लगता है कि आपकी ये फिल्म कैसी हो सकती है। मैं भी जब इस फिल्म पर काम कर रही थी तो ये कॉन्फिडेंस आ गया था कि ये जरूर फैंस को पसंद आएगी। देखिए, 'गदर' ऐसी फिल्म है, जिसे लेकर मेरी भी एक्साइटमेंट थी। मैं शायद उस वक्त स्कूल में रही होंगी, जब मैंने 'गदर एक प्रेम कथा' देखी थी। लाजमी है कि इस आइकॉनिक फिल्म को लेकर फैंस के बीच क्रेज होगा ही। मैं भी बहुत खुश हूं 'गदर 2' की सफलता से। वहीं, 'ओएमजी 2' भी ऐसी फिल्म है, जिसकी अपनी एक ऑडियंस है। फिल्म की कमाई होना भी बहुत जरूरी पार्ट होता है।

अंतरिक्ष में जाने वाले जिद्दी किसान की कहानी होगी

लॉस एंजिलिस। भारतीय चंद्रयान 3 चांद की सतह पर पहुंचने वाला है। ऐसे में याद आती हैं वो सारी फिल्में जिनमें अंतरिक्ष की अनंत गहराइयों के सफर को दिखाया गया है। प्राइम वीडियो पर ऐसी ही एक फिल्म आने वाली है जिसमें एक जिद्दी किसान की कहानी दिखाई जाएगी जो अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन का सफर तय करता है। प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी फिल्म 'अ मिलियन माइल्स अवे' का ट्रेलर लॉन्च कर दिया है। यह फिल्म एक सच्ची कहानी पर आधारित है, जिसमें माइकल पीना, जोस हर्नांडिज का किरदार निभाएंगे। जोस अंतरिक्ष यात्री बनने और अंतरिक्ष में जाने वाले पहले मैक्सिकन किसान थे। यह सच्ची कहानी दिखाती फिल्म 15 सितंबर, 2023 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। ट्रेलर में अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन के भी सीन्स देखने को मिलेंगे।

ऋतिक के साथ काम करने की इच्छा

मुंबई। निर्माता -निर्देशक अनिल शर्मा की फिल्म 'गदर 2' 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जब से इस फिल्म का ट्रेलर और गाने रिलीज हुए हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच खूब उत्सुकता देखने को मिल रही थी। सनी और अमीषा की फिल्म को दर्शकों की अच्छी खासी प्रतिक्रिया मिल रही है और यह बॉक्स ऑफिस पर भी जबर्दस्त प्रदर्शन कर रही है। अब अमीषा ने ऋतिक रोशन संग काम करने की इच्छा जाहिर की है। तो चलिए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है। सनी देओल और अमीषा पटेल अभिनीत फिल्म 'गदर 2' बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ रही है। सलमान खान और कार्तिक आर्यन जैसी हस्तियां भी फिल्म की प्रशंसा करने में प्रशंसकों के साथ शामिल हो गई हैं। हाल ही में, एक इंटरव्यू ने फिल्म की सफलता के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया है और ऋतिक संग काम करने की अपनी इच्छा जाहिर की है। अभिनेत्री ने दर्शकों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, 'मैं अपने दर्शकों को धन्यवाद देती हूं। सभी प्यारे लोगों को धन्यवाद देती हूं।

अर्जुन के पोस्ट के बाद ब्रेकअप की चर्चा

मुंबई। अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड के सबसे चर्चित कपल हैं। दोनों की साथ की तस्वीरें आते ही इंटरनेट पर तहलका सा मच जाता है। कपल चर्चा में होता रहता है लेकिन उनके ब्रेकअप की खबरें भी आती रहती हैं। इससे पहले भी कपल के अलग होने की अफवाह उड़ी लेकिन तब उन्होंने इससे इनकार किया था। हाल ही में अर्जुन कपूर ने अपने सोशल मीडिया पेज पर वेकेशन की फोटोज शेयर की थीं। वह अकेले ही वेकेशन पर निकल गए। इधर मलाइका अरोड़ा को मुंबई में एपी ढिल्लन के कार्यक्रम में देखा गया। दोनों की अलग-अलग जगहों से फोटोज आने के साथ ही इंटरनेट पर यह गॉसिप शुरू हो गई कि क्या वे दोनों अलग हो गए हैं। अर्जुन कपूर ने जो फोटोज शेयर कीं उसके साथ उन्होंने लिखा कि 'जिंदगी छोटी है, वीकेंड्स लंबा बनाएं।' कमेंट सेक्शन में कई यूजर्स ने उनसे पूछा भी कि आखिर मलाइका उनके साथ क्यों नहीं हैं तो कई ने उनके ब्रेकअप होने की भी बात कही।

123 फिल्में...पर नहीं छूआ 500 करोड़ का आंकड़ा

मुंबई। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में एक ऐसे अभिनेता भी हैं जो पिछले 35 साल से लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। उन्होंने अपने 35 साल के करियर में तकरीबन 123 फिल्मों में अभिनय किया। एक के बाद एक हिट फिल्में दीं। लेकिन, अभी तक 500 करोड़ के क्लब में अपनी जगह नहीं बना पाए। उनकी एक भी फिल्म भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार नहीं कर पाई है। ये अभिनेता कोई और नहीं बल्कि सलमान खान हैं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान खान के करियर की अब तक की सबसे बड़ी हिट फिल्म 'टाइगर जिंदा है' रही है। इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 339.16 करोड़ रुपए की कमाई की थी। रिपोर्ट में ये जानकारी भी दी गई है कि सलमान खान की 300 करोड़ के क्लब में तीन फिल्में, 200 करोड़ के क्लब में तीन फिल्में और 100 करोड़ के क्लब में 10 फिल्में रही हैं। लेकिन, वह अभी तक 500 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार नहीं कर पाए हैं।

कोटि पार्थिव लिंगार्चना काशी में किया जाने वाला है पृथ्वी पर सबसे उच्च धार्मिक आयोजन

प्रखर वाराणसी। दुनिया के हित और धर्म परिरक्षण के लिए पहली बार कार्तिक महीने में 1 करोड़ पार्थिव शिव लिंगार्चना की जाएगी और काशी उसकी साक्षी बनेगी। इस महोत्सव में वैदिक ब्राह्मण और विद्वान पूरे भारत से भाग लेंगे। इस महाकुम्भ में श्रृंगेरी शंकरा चार्य जगदगुरु श्री श्री श्री विधुशेखर भारती स्वामीजी और कांची शंकराचार्य श्री श्री श्री विजयेंद्र सरस्वती स्वामी जी,निखिल चेतना केंद्रम के पूज्य गुरूजी अनिल कुमार जोशी और नासिक कपिलधारा आश्रम गुरूजी श्री श्री श्री कल्किराम महाराज (आदिनाथ संप्रदाय) और अन्य पीठाधीश्वर भी भाग लेंगे। इस कार्यक्रम को गिनीज विश्व रिकॉर्ड में शामिल करने की तैयारी है।हर साल काशी में 1.25 लाख शिवलिंग पूजाएँ की जाती है। लेकिन, पहली बार काशी में 1 करोड़ शिवलिंग पूजाएँ हो रही हैं। यह महोत्सव श्री श्री श्री विजया नंदनाधा गुरु सेवा समिति के बैनर तले होगा, जो हैदराबाद (तेलंगाना) की एक चैरिटेबल ट्रस्ट है,निखिल चेतना केंद्रम के पूज्य गुरूजी अनिल कुमार जोशी ने बताया कि पृथ्वी पर अब तक कहीं भी 1 करोड़ पार्थिव शिवलिंगार्चना नहीं हुई है। पहली बार, 19 से 27 नवंबर 2023 तक यह आयोजन शिवाला घाट पर स्थित चेत सिंह दुर्ग में होगा। इस कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो चुकी है। गुरुजी कल्किराम महाराज जी ने बताया कि कार्तिक मास में दक्षिण भारत में भी विशेष महत्व है। इस आयोजन में शामिल होने से श्रीकृष्णा का फल मिलता है।काशी अविमुक्त है ।एक शहर जिसे भगवान शिव कभी नहीं छोड़ते हैं । पुराणों के अनुसार यही जगह है जहाँ पर बार स्थापित किया गया था अ भगवान शिव का लिंग पहली बार स्थापित किया गया था और उसे पृथ्वी पर उनकी सदान्त प्रतिस्था के प्रतीक के रूप में पूजा की गई थी। इसी तरह के के अनुसार, जहाँ भगवान शिव काशी की स्थिति पर कदम रखते हैं, वहां एक हु था। इसका मतलब है कि

जहाँ भी आप काशी में किसी स्थान में रहते हैं, वहां आपको लिंग मिलेगा। प्रत्येक शिव लिंग के पास एक कहानी और उसका अपना महत्व होता है। कुछ उदाहरण देने के लिए विष्णु लिंग, ब्रह्मा लिंग और तीन करोड़ देवी लिंग काशी से निकले हैं।तांगिराला रमचंद्र साई ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर कहा, धरती के सभी हिन्दू जनों के लिए गूंज उत्पन्न करने के लिए और सभी लोगों को प्रेरित करने के लिए हमें भगवान की शक्ति को समझने के लिए सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन करने की आवश्यकता है।श्री श्री पंडिताराध्युला प्रसाद ने खुशी से यह कहा कलियुग में जो लोग पार्थित लिंग के लिए लिंगार्चना करते हैं, वे अच्छे स्वास्थ्य, धन, समृद्धि, मुक्ति और मोक्ष प्राप्त करेंगे।' डॉ. वेंकटा के गणजम (जीके) ने भी कुछ महत्वपूर्ण जानकारी दी,"भगवान राम ने ब्रह्म हत्या पाठक्रम से मुक्ति प्राप्त करने के लिए पार्थिव शिवलिंग पूजा की जिसमें उन्होंने ब्राह्मण रावण को मारा था।'श्री तांगिराला रमचंद्र साई, श्री श्री श्री विजयानंदनाथा गुरु सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष, हैदराबाद से हैं, जिन्होंने 2010 में एक 108 फीट के अस्थायी शिवलिंग की स्थापना की थी। वे एक ट्रस्टी और जनरल सचिव भी हैं, जिन्होंने दिव्य आशीर्वाद के तहत हैदराबाद में अष्टादशभुजी महालक्ष्मी मंदिर की स्थापना की थी। श्री. श्रीपंडिताराध्युला अम्बा प्रसाद, आयोजन सचिव, एक स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार से हैं और उन्होंने आंध्र प्रदेश सरकार के अंशदान विभाग में अपनी सेवाएँ प्रदान की है। उन्होंने सम्माननीय अध्यक्ष श्री डंडू शिवरामा राजू (लेट) के प्रो के रूप में भी काम किया था।

डॉ. वेंकटा के गणजम (जीके), जनरल सचिव, जीके पीआर मीडिया हाउस के संस्थापक और संगठन वेदिक कंशियस कॉपोरेशन के संस्थापक हैं। वे कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों, आध्यात्मिक सम्मेलनों, पुरस्कार शोज और खेल कार्यक्रमों के अनुभवी आयोजक हैं। अब तक दोनों तेलुगु राज्यों और दक्षिण भारत से 30 केंद्रों में लगभग 35 लाख पार्थिव लिंग तैयार किए गए हैं। पत्रकार वार्ता में डॉ० वेंकटा के गनजाम, आदिनाथ सम्प्रदाय के श्री श्री कल्किराम महाराज, कपिलधारा आश्रम, नासिक, काशी तेलगु सेवा समिति के अध्यक्ष श्री वी.वी. सुंदरशास्त्री आदि उपस्थित थे।

शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर विधानसभा में मुद्दा उठाने के लिए विधायक से जुड़ी उम्मीद

प्रखर शाहगंज जौनपुर। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों की 18 सूत्री मांगों के निराकरण के संबंध में शाहगंज के विधायक रमेश सिंह को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सुईथाकला के ब्लॉक अध्यक्ष डॉ.रणंजय सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों ने ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में ब्लॉक अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षकों की पुरानी पेंशन बहाली सहित हित के विभिन्न मुद्दों को लेकर विधायक से विशेष उम्मीद जगी है। शिक्षकों के हित और अधिकारों का मुद्दा विधानसभा में उठाकर सरकार के संज्ञान में लाएंगे जिससे शिक्षकों के साथ न्याय होगा। श्री सिंह ने कहा कि शिक्षक अपनी मांगों पुरानी पेंशन की बहाली ,राज्य कर्मचारियों की भाँति उपार्जित अवकाश, द्वितीय शनिवार अवकाश, प्रतिकर अवकाश, अध्ययन अवकाश, कैशलेस चिकित्सा सुविधा, प्रत्येक

माध्यमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक के पद पर पदोन्नत अथवा तैनाती,उत्तर प्रदेश मध्यमिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों की भांति चयन वेतनमान में 12 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके सभी शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान आज 18 सूत्री मांग पत्र के अनुसार समस्याओं का न तो निराकरण किया गया और न ही कोई कार्यवाही की गई। उन्होंने कहा कि सरकार के इस संवेदनहीन रवैया से शिक्षकों में भारी आक्रोश व्याप्त है।ज्ञापन में इस बात का उल्लेख किया गया है कि विभागीय अधिकारियों द्वारा बेसिक शिक्षकों एवं शिक्षा से संबंधित तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर समाचार पत्रों में प्रकाशित कराया जा रहा है इससे शिक्षकों की छवि धूमिल हो रही है।इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने वालों में उमेश चंद्र यादव ब्लॉक मंत्री , इंद्रसेन तिवारी कोषाध्यक्ष, तिलक स्मारक इंटर कॉलेज अमावाखुर्द के प्रधानाचार्य दिनेश यादव ,डॉ दिनेश सिंह, ठाकुर प्रसाद तिवारी , जनक धारी दुबे, रत्नाकर सिंह आदि शिक्षक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वाराणसी के खत्री समाज द्वारा 250 वर्षों से चल रही तीर्थ पदयात्रा विंध्य धाम विंध्याचल को चली

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। शोभा यात्रा वाराणसी से पैदल चलकर विंध्याचल धाम में पहुंचेगी शोभायात्रा में बड़ी संख्या में बड़े बुजुर्ग युवा महिलाएं बच्चे बड़े उत्साह पूर्वक बैंड बाजा ढोलक मां की भजन करते हुए भक्ति भाव से पैदल मोहनसराय , राजातालाब भजन भंडारा करते हुए मां विंध्यवासिनी के चरणों में 22 अगस्त को पहुंचेंगे शोभा यात्रा का खत्री हितकारिणी सभा द्वारा पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया ` खत्री हितकारिणी सभा ने श्री बाल माता मंदिर देवी कोठा ,चौक से निकल कर माँ विंध्याचल धाम तक पैदल जाने वाली अति प्राचीन यात्रा का भव्य स्वागत लक्सा थाने के पास किया इस अवसर पर उपस्थित संरक्षक अशोक धवन(एम एल सी) ने बताया कि ये यात्रा हमारे पूर्वजों द्वारा काशी की परंपरा के अनुरुप हम सब में धार्मिक और

आध्यात्मिक तेज का बीजारोपण करती है आज परिस्थितियाँ कुछ अनुकूल है मगर आज से दशकों पूर्व में जब प्रतिकूल अनगढ़ रास्तों से लोग आगे बढ़ते थे उनकी सुविधाओं को हमारे समाज के धूमीमल जी तथा हरनारायण मल बहल जी ने सुधारा पड़ाव स्थलों पर धर्मशाला व रास्ते में भंडारे का आयोजन कर भक्तों की सेवा की हमारे बुजुर्ग इस यात्रा में पैदल चल कर माता विंध्यवासिनी के धाम पहुँचकर शीश नवाते थे आज भी इस परंपरा निर्वाह करते हुए भी उस प्रथा को निभाने का पूरा भावनात्मक प्रयास हम सब करते है ताकि हमारा धर्म कर्म अनंत काल तक वसुधा पर वास करता रहे ` आज भी हरनारायण मल बहल के वंशज खत्री समाज के लोगों की इस यात्रा में साथ साथ चलते हैं और सभी आवश्यक प्रबंध करते हैं लगभग 250 वर्षों से यह यात्र अनवरत हो रहीं हैं वर्तमान में दीपक बहल इस कार्य में सेवा कर रहे हैं।

छात्रों ने अपशिष्ट पदार्थों से बनाया वर्टिकल हैंगिग गार्डनिंग

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सरकार द्वारा शनिवार को नो वैग डे घोषित करने का उद्देश्य धीरे धीरे विद्यालयों में दिखने लगा है। इसकी उपयोगिता शनिवार को पिंडरा विकास खण्ड के जूनियर हाईस्कूल रमईपट्टी के छात्र छात्राओं ने दिखाई। जूनियर विंग के बच्चों को कृषि विज्ञान एवं पर्यावरण अध्ययन में दक्षता आधारित अधिगम को गतिविधि के माध्यम से करवाते हुए स0 अध्यापक कमलेश कुमार पाण्डेय ने 50 से भी ज्यादा गमले वेस्ट मटेरियल से तैयार करवाएं तथा हैंगिंग गार्डन की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को बताया कि आप घर पर यह प्रयोग करके जहाँ उत्पादन प्राप्त कर सकते है, वही पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभा सकते है। बच्ची को बताया कि वर्टिकल गार्डन में लगे पौधों को पानी देना, प्रूनिंग करना और कटाई करने में आसानी होती है। इस गतिविधि में सभी कक्षाओं के बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

मेवात (हरियाणा), देहली एवं मणिपुर की हिंसा में हिन्दुओं की हत्या एवं राष्ट्रीय संपत्ति की हानि करने के प्रकरण में दंगाइयों पर कठोर कार्यवाही हो ! - वाराणसी में हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री से मांग

प्रखर वाराणसी। गत तीन महीनों से मणिपुर में कुकी (ईसाई) समाज द्वारा योजनाबद्ध हिंसा कर कश्मीर के समान मणिपुर को हिन्दूविहीन बनाने का बडा षड्यंत्र रचा जा रहा है ।हाल ही देहली में मोहर्रम की शोभायात्रा के समय छोटे बच्चों के माध्यम से हिन्दुओं पर तथा सरकारी बसों एवं सार्वजनिक संपत्ति पर आक्रमण किए गए। 31 जुलाई 2023 को हरियाणा स्थित नूंह (मेवात) में श्री महादेव के मंदिर में जलाभिषेक करने पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं पर भीषण आक्रमण किया गया। ऐसी अनेक छोटी-बडी घटनाओं के माध्यम से एक बडे गृहयुद्ध की तैयारी तो नहीं हो रही, ऐसा संदेह उत्पन्न हो रहा है। इस दंगे में मारे गए प्रत्येक हिन्दू को 10 लाख रुपए की क्षतिपूर्ति दी जाए तथा जितनी संपत्ति की हानि हुई है, उसकी संपूर्ण क्षतिपूर्ति दंगाइयों की संपत्ति जप्त की जाए एवं जिन दंगाइयों के घर, दुकानें आदि गैरकानूनी हैं उनपर बुलडोजर चलाया जाए इस मांग हेतु हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा यहां के अपर जिलाधिकारी श्री. आलोक कुमार वर्मा के माध्यम से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को ज्ञापन दिया गया। इस समय राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं न्याय परिषद के महासचिव अधिवक्ता अरुण मौर्य, इंडिया विथ विजडम के संस्थापक वह अध्यक्ष अधिवता कमलेश चन्द्र त्रिपाठी, अधिवक्ता सूरज यादव, अधिवक्ता शुभम यादव, अधिवक्ता प्रवीण श्रीवास्तव, बजरंग दल के श्री. संजय गुप्ता, पंचचक्र हनुमान चालीसा ग्रुप वाराणसी के अध्यक्ष श्री. राजकुमार पटेल, श्री. गोपाल पांडेय, श्री. चन्द्रमौली पाण्डेय, श्री. प्रमोद

गुप्ता तथा हिन्दू जनजागृति समिति के श्री. राजन केशरी उपस्थित थे। देहली में हाल ही मोहर्रम की शोभायात्रा के समय धर्मांध मुसलमानों ने हिन्दुओं पर एवं सार्वजनिक बस तथा पुलिस पर भी पथराव किया। मोहर्रम के दिन वाराणसी में भी आगजनी एवं पथराव किया गया है। हरियाणा के मेवात स्थित नूंह में हजारों दंगाई मुसलमानों की भीड़ ने अल्ला-हू-अकबर एवं नारा-ए-तकबीर के नारे लगाते हुए 500 से अधिक गोलियां दागीं जिसमें दो पुलिस कर्मचारियों सहित 7 हिन्दुओं की अत्यंत निर्घृण हत्या की गई। गत कुछ वर्षों से हिन्दू नववर्ष, श्रीरामनवमी, हनुमान जयंती, नवरात्रि, गणेशोत्सव आदि हिन्दुओं के उत्सव के समय देशभर में दंगाई मुसलमानों द्वारा जानबूझकर आक्रमण किए जा रहे हैं।

इस संदर्भ में की गई अन्य मांगें –

1. इस दंगे में सहभागी रोहिंग्या, बांग्लादेशी मुसलमानों को बंदी बनाकर देश से बाहर भगाया जाए ।

2. इस दंगे के प्रसारित सर्व वीडियो एकत्रित कर उसके आधार पर संवेदनशील क्षेत्र में कोबिंग ऑपरेशन किया जाए तथा दंगाइयों पर 'UAPA' राष्ट्रीय सुरक्षा कानून आदि विविध कठोर कानूनों के अंतर्गत अपराध प्रविष्ट किए जाएं ।

3. इस हिंसा के लिए विदेश से फंडिंग अथवा शस्त्र-अस्त्र की आपूर्ति हुई है क्या, इसकी गहन जांच की जाए ।

4. जिन हिन्दू परिवार का कतार्पुरुष अथवा आधार चला गया हो, उस परिवार के व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाए तथा पीडित परिवार के बच्चों की शिक्षा का दायित्व सरकार उठाए।

एमओयू के माध्यम से पीयू को मिलेगी स्वास्थ्य सुविधाएं : कुलपति

फैकल्टी एक्सचेंज समेत अन्य सुविधा उपलब्ध कराएगा मेडिकल कालेजः शिवकुमार

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर और उमानाथ सिंह स्वात्तशासी राजकीय मेडिकल कालेज के बीच शुक्रवार को कुलपति सभागार में एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इससे स्वास्थ्य के क्षेत्र में शोध और चिकित्सा सुविधा को बढ़ावा मिलेगा। दोनों जगह के विद्यार्थियों को दोनों संस्थानों में इंटर्नशिप की भी सुविधा दी जायेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि एमओयू के माध्यम से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और फैकल्टी के साथ इंटरेक्शन और एक्सचेंस प्रोग्राम किया जाएगा। इसी के साथ दोनों संस्थानों के संसाधनों की सुविधा और संसाधन का समुचित उपयोग छात्रहित में किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय एमओयू के माध्यम से विद्यार्थियों और शिक्षकों को उच्च तकनीकी और अच्छी सुविधा

उपलब्ध कराने का हर संभव प्रयास कर रहा है, ताकि उन्हें रोजगार के अवसर मिल सके। इस अवसर पर उमानाथ सिंह स्वात्तशासी राजकीय मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. शिवकुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के साइंस, फामेर्सी समेत जिन विभागों के पाठ्यक्रम मेडिकल कालेज से मिलते-जुलते हैं उनके साथ फैकल्टी एक्सचेंज की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को साथ मिलकर किया जाएगा। विश्वविद्यालय में सेमिनार और स्वास्थ्य शिविर लगाकर यहां के विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारियों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई जाएगी। विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में कालेज के दो एमबीबीएस चिकित्सक रोज बैठेंगे। मरीजों को परामर्श के साथ-साथ कुछ दवाइयां भी मेडिकल कालेज से दी जाएंगी। इस अवसर पर नोडल अधिकारी मनोज पांडेय ने एमओयू के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। अतिथियों का स्वागत प्रो. मानस पांडेय ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अजय द्विवेदी ने किया। स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ. पुनीत सिंह ने चिकित्सकों की टीम को स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण कराया साथ ही 30 बेड की सुविधा भी दिखाई। इसके बाद स्वास्थ्य केंद्र परिसर में छात्र अधिष्ठाता, प्राचार्य, चिकित्सक, वित्त अधिकारी ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. प्रमोद कुमार यादव, डा. संजीव गंगवार, डॉ. राजकुमार, डॉ. सुनील कुमार, सहायक कुलसचिव बबीता सिंह डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डॉ. अमित वत्स आदि उपस्थित थे।

जौनपुर ग्राम रोजगार सेवकों ने चलाया ट्विटर महाअभियान

प्रखर सुजानगंज (जौनपुर)। 4 अक्टूबर 2021 को डिफेन्स एक्सपो बृंदावन मैदान लखनऊ में उत्तर प्रदेश के ग्राम रोजगार सेवकों को बुलाकर मुख्यमंत्री योगी द्वारा मंच से घोषणा के बावजूद मांगे पूरी नहीं होने पर ग्राम रोजगार सेवक एकता संघर्ष समिति के प्रांतीय आह्वान पर आज ग्राम रोजगार सेवकों द्वारा ट्यूटर के माध्यम से अपनी आवाज को बुलंद करने का एक नायाब तरीका अपनाया गया। इसी क्रम में विकास खंड सुजानगंज जौनपुर में डा श्याम शंकर मिश्र जिलामहामंत्री ग्राम रोजगार सेवक संघ एवं दिलीप कुमार ब्लॉक अध्यक्ष के नेतृत्व में विकास खंड सभागार में एकत्रित होकर समस्त ग्राम रोजगार सेवकों ने ट्यूटर के माध्यम से अपनी मांगों के समर्थन में आवाज को बुलंद करते हुए इस महाअभियान को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संक्षिप्त खबरें

बारिश के लिए दूसरे दिन भी खुले आसमान में हुई इबादत

मोहम्मद अरशद

प्रखर खेतासराय (जौनपुर) चिलचिलाती धूप से सूख रही फसल से चिंतित मनेछा के मुस्लिम बन्धुओं ने दूसरे दिन भी खुले आसमान के नीचे रो रोकर दुआएं मांगी। विशेष नमाज अदाकर बारिश के लिए ईश्वर से इबादत की। बच्चे सहित सैकड़ों लोग इस कार्यक्रम शिरकत की बारिश का महीना चलने के बाद भी करीब अगस्त माह आदेश से ज्यादा बीत जाने के बाद भी बारिश न होने से उमस भरी गर्मी से किसान सहित सभी लोग प्रभावित थे, सबसे ज्यादा धान की सिचाई के लिए किसानों के ऊपर चिंता की लकीर साफ दिखाई दे रही थी।उक्त गांव के ईदगाह के प्रांगण में गांव के बाशिंदे शुक्रवार और शनिवार को विशेष नमाज के साथ दुआ के लिए हाथ उठाया। हाफिज मोहम्मद तैयब के नेतृत्व में बच्चे समेत सैकड़ो लोगों ने खुले आसमान के नीचे रो रो कर इबादत की। पूछे जाने पर मुफ़्ती तैयब ने बताया कि बारिश के लिए दूसरे दिन का विशेष नमाज (इस्तिस्का) का कार्यक्रम रखा गया था। इस मौके पर प्रमुख रूप से मौलाना हाफिज मोहम्मद तैयब, मोहम्मद हाशिम, मोहम्मद हारुन,अब्दुल सलाम, जिकरुल्लाह अहमद, मोहम्मद आरिफ, अब्दुल रहमान, प्रधान प्रतिनिधि मनेछा सिराज अहमद, हिसामुद्दीन सिद्दीकी, अब्दुल मलिक समेत सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

बारिश के लिए मुस्लिम बंधुओ ने तीसरे दिन भी पढ़ी नमाज–ए इस्तिस्का– खेतासराय क्षेत्र के जमदहा में तीन दिन से खुले आसमान के नीचे चिलचिलाती धूप में बारिश के लिए खुदा को मनाने के लिए जमे मुस्लिम बन्धुओ ने इस्तिस्का की नमाज पढ़ी। लोगों ने अपनी गुनाहों की माफी तलाफी करते हुए ईश्वर के बारगाह में खूब रोया। उलेमाओं ने कहा कि इंसान के गुनाहों की वजह से धरती पर पशु पक्षियों को भी उठानी पड़ रही है। गुरुवार को शुरू हुई यह विशेष नमाज शनिवार को तीसरे दिन सम्पन्न हो गई। इलाके के जमदहा के खरका मैदान में सामूहिक प्रार्थना सभा मे भारी संख्या में मुस्लिम बंधुओं ने शिरकत की। विशेष नमाज इस्तिस्का दो दिन तक देड़ घण्टे तक पढ़ी गई। आखिरी दिन दो घण्टे तक दुआ खानी हुई।नमाज अदा करने के बाद गिड़गिड़ा कर हाथ उठाकर खूब रोया।

काशी रेलवे स्टेशन पर बच्ची के साथ यौन दुष्कर्म व हत्या के मामले में न्याय के लिए दखल सङ्गठन के साथ मृतका का परिवार जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पंहुचा

प्रखर वाराणसी। काशी रेलवे स्टेशन पर बच्ची के साथ यौन दुष्कर्म और हत्या के मामले में न्याय के लिए दखल सङ्गठन के साथ मृतका का परिवार जिलाधिकारी बनारस को ज्ञापन सौंपने पंहुचा था। पूरा दिन इंतजार करने के बाद कलेक्ट्रेट परिसर में एक भी अधिकारी ज्ञापन लेने तक नही आया। पूरा महकमा वीआईपीयों के आवभगत में है व्यस्त। G20 की बैठक और मंत्रियों की अगवानी में अधिकारियों की ड्यूटी लगी हुई है ऐसा किसी सिपाही ने बताया। बनारस की जनता की शिकायतें और समाधान अब बाबा विश्वनाथ के भरोसे हैं। लैंगिक भेदभाव और हिंसा के खिलाफ काम करने वाले सङ्गठन की ओर से ज्ञापन दिए जाने के दौरान महिला कार्यकर्ता खासी आक्रोशित दिखीं। ज्ञातव्य है कि, 14 अगस्त 2023 की रात काशी रेलवे स्टेशन पर जिला चंदौली निवासी बनवासी परिवार की 4 वर्षीय बच्ची के साथ यौन दुष्कर्म किया गया है और उसकी नृशंष हत्या कर दी गई है। परिवार असहाय और गरीब है। जंगल से पत्ता बीनकर बनारस आकर सपरिवार बेचता है। और कंही भी जगह पाकर घुमन्तु की तरह रात बिता लेता है। 14 अगस्त की रात 2 बजे बेटी को पास न पाकर पिता माता बौखला गए, आसपास ढूंढने के क्रम में मुगलसराय चंदौली गए, वँहा ढूंढे। रेलवे पुलिस , स्थानीय वेंडरों आदि से पूछा। अंततः हताश होकर पुलिस के पास गए। पुलिस ने खोजबीन शुरू की। स्टेशन के पीछे राजघाट की ओर जाने वाले ढलान पर बच्ची की लाश मिली। दखल सङ्गठन की कार्यकर्ता में बताया कि थाने पर सम्पर्क करने पर ' जांच प्रचलन में है ' का सपाट सा बयान मिल रहा है। इसलिए आज हम दखल सङ्गठन के लोग उक्त प्रकरण में डीएम साहब को निम्न बिंदुओं के अंतर्गत ज्ञापन देने आए हैं। छः सुत्रिय मांग को लेकर दखल संगठन और पीड़ित के परिवार भी ज्ञापन देने और न्याय की गुहार लगाने आएं परिवार कहना था कि हमें अभी तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी नहीं दिया गया परिवार के सदस्यों को थाने में लेजाकर 4 दिन से बंद किया गया है। सही बात सबसे छुपाया गया है मेरी बेटी के साथ बुरा सुलूक हुआ है इन्ही तमाम बातों के साथ आज डीएम कार्यालय पंहुचा। मृतक बच्ची के पिता पारस और मां सुनीता बड़ी मां, बुआ और बच्चों सहित परिवार पूरा दिन डीएम ऑफिस बनारस खड़ा रहा। एसडीएम एडीएम एसीएम किसी भी स्तर के अधिकारी ज्ञापन लेने की क्या कही जाए, बात करने तक को उपलब्ध नही थे। परिवार के साथ बातचीत में ये रोष सामने आया कि मृतका बच्ची के बड़े पिता को पुलिस उठा ले जा रही है 15 अगस्त से ही बार बार। पुलिस का कहना है कि तुमलोगो को क्या पता रात के अंधेरे में कोई कुछ भी कर सकता है। लड़की के माँ का कहना था कि हमलोग पूरा परिवार सारी सारी रात जंगल मे पत्ता बीनते हैं ,कभी कोई बात नही हुई। आज इस बड़के शहर में ये अन्याय हो गया हमारे साथ। दखल सँगठन की ओर अधिकारियों के नदारद रहने पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा गया कि ॠ20 की बैठक हो या केंद्रीय मंत्री सीएम आदि हों शहर में , लेकिन ऐसे कलेक्ट्रेट पूरा खाली है तो शहर के जरूरी काम कैसे पूरे होंगे ? इस परिवार के 10 लोगो को काशी स्टेशन से कचहरी गुहार लगाने आने जाने में ही जो दो ढाई सौ रुपये खर्च हुए, इस दौरान जो 10 20 गड्डी पत्ता बेचते , उस कमाई का भी नुकसान हुआ, ई सबका मूल्य कब समझेगा हमारा निजाम ज्ञापन देने वालो में प्रमुख रूप से मृतका के माता पिता समेत परिवार के 10 सदस्य सहित दखल संगठन की ओर से मैत्री, नीति, विजेता, दीक्षा, शिवांगी, शालिनी, रंजू सिंह, नीलम, सलमा किन्नर, अनुज, अश्विनी, वल्लभाचार्य, मिथिलेश, माधुरी एडवोकेट, उपासना आदि मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं